ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष पंचमी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 320 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 मई 2025 रविवार

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
36 अधिकतम
27 न्यूनतम

Page-7

आज डीजीएमओ स्तर की बातचीत नहीं, सीजफायर की आखिरी तारीख नहीं

ऑपरेशन शुरू होने के पहले या बाद.. पाक को सूचना देने पर विवाद

नई दिल्ली।

भारत-पाकिस्तान के बीच आज डीजीएमओ स्तर की बातचीत नहीं होगी। भारतीय डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई बताया कि 12 मई को दोनों देशों की बातचीत में जिस सीजफायर पर सहमति बनी थी, उसकी कोई आखिरी तारीख तय नहीं की गई है। अलबत्ता घई ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विदेश मंत्री पर लगाए आरोपों पर कहा कि ऑपरेशन शुरू होने के बाद हमने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि हम आतंक के अड्डों पर हमला करेंगे। पाकिस्तान ने बातचीत से इनकार कर दिया और जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी। उधर विदेश मंत्रालय ने भी राहुल के आरोपों पर सफाई दी और कहा- मंत्री जयशंकर के बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने ऑपरेशन शुरू होने के बाद की बात की थी, न कि पहले की। उल्लेखनीय है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर कहा था, 'हमारे हमले की शुरुआत में पाकिस्तान को जानकारी देना अपराध है। विदेश मंत्री ने सार्वजनिक रूप से माना है कि भारत सरकार ने ऐसा किया। इसके परिणामस्वरूप हमारी वायुसेना ने कितने विमान खो दिए।'

डैम का गेट खोला

इधर जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में चिनाब नदी पर बने सलाल डैम का शनिवार को एक गेट खोला गया है। भारत ने सिंधु समझौता रद्द करने के बाद इसके सभी गेट बंद कर दिए थे।

पाकिस्तान जाने से बेहतर नर्क जाना

वहीं मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने कहा कि अगर मुझे सिर्फ दो ही विकल्प मिलें - पाकिस्तान जाना या नर्क जाना, तो मैं नर्क जाना पसंद करूंगा। ये बात उन्होंने बीती रात शिवसेना (उद्धव गुट) नेता संजय राऊत की किताब 'नरकतला स्वर्ग' के विमोचन में कही।

शरीफ ने भी बनाया डिप्लोमैटिक प्लान

■ भारत के साथ हुए हालिया संघर्ष पर पक्ष रखने के लिए पाकिस्तान ने भी भारत की तर्ज पर प्रतिनिधिमंडल विदेश भेजने का फैसला किया है। पीएम शहबाज शरीफ ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी को इसके लिए चुना है। भुट्टो ने एक्स पर बताया कि शरीफ ने उनसे संपर्क किया और एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए कहा। उन्होंने लिखा, पीएम ने मुझसे अनुरोध किया कि मैं अंतरराष्ट्रीय मंच पर पाकिस्तान की शांति के लिए मामला पेश करने के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करूं। मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

मप्र में व्यापार का बहिष्कार शुरू

■ पाक का साथ देने वाले तुर्की और अजरबैजान इसके परिणाम भी भुगतने लगे हैं। सीएम यादव ने तिरंगा यात्रा में कहा कि सेना का जितना सम्मान किया जाए, वह कम है। देश और सेना दोनों ही नई शक्ति के रूप में उभरे हैं। उधर मप्र से फार्मास्युटिकल कंपनियों ही नहीं बल्कि पाकिस्तान से नमक, चना और मसाले का सीधा व्यापार करने वाले व्यापारियों ने भी पाकिस्तान से कारोबार बंद कर दिया है। पाकिस्तान से यूएई और दूसरे रास्तों से जो कारोबार हो रहा है वो भी व्यापारी बंद करने वाले हैं।

राजधानी की विभिन्न सीमाओं पर बनेंगे भव्य प्रवेश द्वार, नर्मदापुरम रोड पर भोज द्वार का भूमिपूजन

गौरवशाली अतीत को दुनिया के सामने लाने की कोशिश में सरकार : सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अब राजधानी में विभिन्न सीमाओं से प्रवेश करने वालों को बकायदा भव्य द्वार नजर आएंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज सुबह इसके लिए एक द्वार भूमिपूजन किया। सबसे पहले नर्मदापुरम(होशंगाबाद) रोड पर समरधा में भोज-नर्मदा द्वार बनेगा। नगर निगम भोपाल के दो मुख्य स्थानों पर द्वार बनवा रहा है। इसके लिए निगम परिषद की बैठक में प्रस्ताव भी पास हो चुका है। पहला गेट होशंगाबाद रोड और दूसरा इंदौर-भोपाल रोड पर प्रस्तावित है। दूसरे द्वार के लिए जल्द ही प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इंदौर-भोपाल रोड पर द्वार का नाम विक्रमादित्य द्वार होगा। बताया जाता है कि फिलहाल तो दो प्रमुख मार्गों पर भव्य द्वार बनाने की कार्ययोजना तैयार की गई है। लेकिन यही प्लानिंग अन्य मुख्य सड़कों यानी बैरसिया रोड, रायसेन रोड, कोलार रोड, विदिशा रोड, मुबारकपुर समेत अन्य के लिए भी बनाई जा रही है। सीएम ने कहा कि प्रदेश की पहचान हमारे वीर शासकों से रही है। मध्यप्रदेश का गौरव रहे सम्राट विक्रमादित्य को आज भी न्यायप्रियता, पराक्रम और लोक कल्याण के लिये जाना जाता है। वहीं राजा भोज को महान शिक्षक और योद्धा के रूप में याद किया जाता है। ऐसे में हमारी सरकार ने तय किया है कि हमारे गौरवशाली अतीत को दुनिया के सामने लाने की आवश्यकता है। इसलिए राजधानी भोपाल के प्रमुख मार्गों पर राजा भोज, विक्रमादित्य जैसे महापुरूषों के नाम से द्वार बनाए जाएंगे। जिससे भोपाल और मध्यप्रदेश का गौरवशाली इतिहास हमें पुनः उसी दौर में ले जाए। वहीं, इससे राजधानी भोपाल को नया स्वरूप भी मिलेगा।

सौर ऊर्जा संयंत्र का लोकार्पण

नगर निगम भोपाल द्वारा सौर ऊर्जा परियोजना के प्रथम चरण में नीमच में स्थापित 10 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र का भी लोकार्पण सीएम कर रहे हैं। इस दौरान मंत्री, सांसद, विधायक, महापौर, निगम अध्यक्ष, एमआईसी मेंबर और पार्षद मौजूद रहे।

राजवाड़े में राज्य मंत्रिपरिषद बैठेगी

मप्र की यादव मंत्रिपरिषद की इंदौर के राजवाड़ा में 20 मई को होने वाली कैबिनेट बैठक की तैयारियां तेज हैं। देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती पर यह विशेष बैठक होगी। बैठक ग्राउंड फ्लोर पर गणेश हॉल में होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों को मालवी भोजन (दाल, बाटी, चूरमा, छाछ) सहित अन्य व्यंजन परोसे जाएंगे। बैठक के मद्देनजर 20 मई को सुबह 7 बजे से राजवाड़ा क्षेत्र में ट्रैफिक प्रतिबंधित रहेगा। बैठक हॉल में मुख्यमंत्री, दोनों उप मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव सामने की ओर बैठेंगे। उनके ठीक सामने एक बड़ी एलईडी रहेगी। ऊपर दरबार हॉल में मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों के लिए मालवी भोजन तैयार किया जाएगा। इसी हॉल के दाहिनी ओर नीचे बने हॉल में विभिन्न विभागों के अधिकारी बैठेंगे और इसके ठीक ऊपर के हॉल में इनके लिए भोजन व्यवस्था की जाएगी।

राज्य संग्रहालय में आज विश्व संग्रहालय दिवस पर तोप का अवलोकन करते सीएम मोहन यादव।

मस्क को ब्लैकमेल करने की कोशिश!

नई दिल्ली। अमेरिका की संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के एक पूर्व एजेंट ने दावा किया कि रूस की खुफिया एजेंसी ने अरबपति कारोबारी एलन मस्क को सेक्स और ड्रग्स के जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की। मस्क इस वक्त ष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी माने जाते हैं। यह दावा पूर्व खुफिया एजेंट जोनाथन ब्यूमा ने जर्मन टीवी चैनल जेडडीएफ की एक डॉक्यूमेंट्री में कही। ब्यूमा ने बताया कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूसी जासूसों ने एलन मस्क और पेपाल के सह-संस्थापक पीटर थिएल पर नजर रखना शुरू किया। उन्होंने गोपनीय जानकारी जुटाई, ताकि जरूरत पड़ने पर उसे उनके खिलाफ इस्तेमाल किया जा सके। ब्यूमा ने कहा, मस्क का असंयमित महिलाओं और ड्रग्स, खासकर केटामाइन की तरफ झुकाव, रूसी खुफिया एजेंसियों के लिए मौका था कि वे इसका फायदा उठाएं।

नेवी का जहाज ब्रुकलिन ब्रिज से टकराया

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में मेक्सिकन नेवी का ट्रेनिंग जहाज कुआउतेमोक ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। यह घटना तब हुई जब जहाज ब्रिज के नीचे से गुजर रहा था। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें जहाज का ऊपरी हिस्सा ब्रिज से टकराता नजर आ रहा है। न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया कि इस जहाज के टकराने से 19 लोग घायल हो गए, जिनमें से 4 की हालत गंभीर हैं। मीडिया के अनुसार, कुआउतेमोक पर 200 से ज्यादा क्रू मेंबर थे। यह जहाज न्यूयॉर्क में एक फ्रेंडली टूर पर आया था। न्यूयॉर्क की इमरजेंसी क्राइसिस मैनेजमेंट एजेंसी ने कहा कि वे इस घटना की जांच कर रहे हैं। वहीं, मेक्सिकन नेवी का कहना है कि जहाज को नुकसान हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। न्यूयॉर्क के फायर डिपार्टमेंट ने बताया कि घायलों को मदद दी जा रही है।

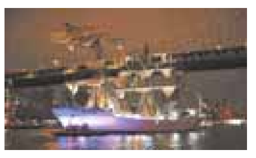

सांसद का बोर्ड-ट्रांसफर के लिए संपर्क न करें!

उज्जैन, एजेंसी। मप्र में तबादला नीति लागू होने के बाद जन प्रतिनिधियों के दरवाजों पर अनुशंसा पत्र बनवाने वालों की भीड़ लगी हुई है। इसी के चलते उज्जैन-आलोट से सांसद अनिल फिरोजिया ने अपने कार्यालय के बाहर एक बोर्ड चस्पा कर दिया है। जिस पर लिखा है ट्रांसफर के लिए संपर्क नहीं करे। सांसद कार्यालय पर शस्त्र लाइसेंस के लिए संपर्क नहीं करने का बोर्ड भी चस्पा किया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ट्रांसफर पॉलिसी-के अनुसार, अब विभाग 30 मई तक अपने कर्मचारियों का ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके बाद सामान्य तौर पर ट्रांसफर नहीं होंगे। विशेष परिस्थितियों में ही तबादले हो सकेंगे।

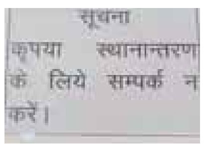

अर्थ सैटेलाइट की लांचिंग तीसरे फेज में हुई नाकाम

श्रीहरिकोटा, एजेंसी।

इसरो ने आज सुबह 5.59 मिनट बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पोलर सैटेलाइट लॉन्चिंग व्हीकल (PSLV-C61) के जरिए अपना 101वां सैटेलाइट अर्थ ऑब्जर्वेटरी सैटेलाइट लॉन्च किया, लेकिन ये लॉन्चिंग सफल नहीं हो सकी। बताया जाता है कि पहले और दूसरे फेज में सफल होने के बाद तीसरे फेज में सैटेलाइट EOS-09 में गड़बड़ी का पता चला। ISRO चीफ वी नारायणन ने कहा- आज 101वें प्रक्षेपण का प्रयास किया गया, PSLV-C61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य था। तीसरे चरण में ऑब्जरवेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो सका है। इसरो ने X पोस्ट में लॉन्चिंग के बारे में लिखा- इसकी ऊंचाई 44.5 मीटर है। वजन 321 टन है। यह 4 फेज में बनाया गया है। मिशन में सैटेलाइट को सन सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित करना था। यह खासतौर पर घुसपैठ या संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसे पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद एंटी टेररिस्ट ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एमईआई वर्ल्ड रैंकिंग : बीयू को मिली वैश्विक मान्यता

भोपाल। एमईआई वर्ल्ड रैंकिंग-2025 में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को वैश्विक मान्यता मिली है। मप्र की राजधानी भोपाल स्थित प्रतिष्ठित सरकारी शैक्षणिक संस्थान बरकतउल्ला विश्वविद्यालय को एमईआई वर्ल्ड रैंकिंग 2025 में स्थान प्राप्त हुआ है, जो ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह रैंकिंग विश्वविद्यालय् को विश्वभर के उच्च स्तरीय निजी और सरकारी संस्थानों के बीच स्थापित करती है। रैंकिंग में बीयू को उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता, रिसर्च, समाज में सकारात्मक प्रभाव और समग्र शिक्षा के लिए सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि साल 1970 में बरकतुल्लाह यूनिवर्सिटी स्थापित हुई है।

चारमीनार के पास इमारत में आग, 8 की मौत 20 घायल

हैदराबाद, एजेंसी।

आज सुबह चारमीनार के पास गुलजार हाउस में एक इमारत में आग लग गई। हादसे में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल हैं। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, लेकिन अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फायर विभाग को सुबह करीब 6:30 बजे सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोश हालत में मिले और करीब 20 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और विधायक मुमताज अहमद खान ने भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने हादसे पर दुख जताया है। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमस्र राष्ट्रीय राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

खरगे-राहुल ने पहला परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिकों को किया नमन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश का पहला परमाणु परीक्षण करने वाले वैज्ञानिकों को याद करते हुए उन्हें आज नमन किया।उन्होंने परमाणु वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को याद करते हुए कहा कि उनकी मेहनत से ही भारत परमाणु परीक्षण करने वाला दुनिया का छठा देश बना था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी याद किया और कहा कि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी असाधारण नेतृत्व का परिचय देते हुए पोखरण परमाणु परीक्षण कराया था।

मेट्रो एंकर

शाह, देवड़ा, कुलस्ते के बाद प्रजापति का बयान भी विवादों में सवार

बेलगाम बयान.... खामोश भाजपा और मुखर हैं शाह

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय सेना में कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन बताकर मुसीबत में फंसे मप्र के कैबिनेट मंत्री विजय शाह, सेना को नतमस्तक कहने वाले डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, आतंकवादियों को 'हमारे' कहने वाले मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के बाद अब मनगवां के भाजपा विधायक नरेन्द्र प्रजापति भी यूनाइटेड नेशन के संदेश के बाद भारत द्वारा हमले रोकने का बयान देकर मुसीबत में फंस गए हैं। बीते तीन दिन से इनके खिलाफ धरने प्रदर्शन जारी हैं और आज भी कई जिलों में प्रदर्शन हो रहे हैं। इनमें प्रदर्शनों में नरेन्द्र प्रजापति का नाम भी आज जुड़ा हुआ है। उधर एफआईआर होने के बाद से विजय शाह नजर नहीं आ रहे हैं।

भाजपा की मुश्किल वाला बयान नंबर-1 : कैबिनेट मंत्री विजय शाह मोदीजी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा।

बयान नंबर-2: डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा 'पूरा देश, देश की वो सेना, वो सैनिक...उनके चरणों में नतमस्तक हैं'।

बयान नंबर-3 : सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते 'जो हमारे आतंकवादी हैं, लोग हैं, उनको उन्होंने मुंहतोड़ जवाब दिया'

बयान नंबर- 4 : मनगवां विधायक नरेन्द्र प्रजापति 'यूनाइटेड नेशन से सीज़फायर का आदेश न आता तो मोदी जी पाकिस्तान साफ कर देते'

अब तक भाजपा की तरफ से तो यह साफ हो चला है कि प्रदेश स्तर पर शाह मामले में कोई कार्रवाई नहीं होगी। अब कल 19 तारीख को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई पर नजरें हैं। पार्टी के भीतर चर्चा है कि अगर सोमवार को कोर्ट शाह को राहत नहीं देता है, तो केंद्रीय नेतृत्व शाह के मामले में कार्रवाई आगे बढ़ाने का निर्देश दे सकता है।

अड़े हुए हैं शाह

हालांकि अंदरखाने यह भी चर्चा है कि भाजपा के मनाने के बावजूद शाह इस्तीफा देने राजी नहीं हैं, उनका कहना है कि वे कई बार इस मामले में माफी मांग चुके हैं। शाह के मामले ने जैसे ही तूल पकड़ा था और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का ट्वीट आया था तभी से भाजपा शाह को राजी करने की कोशिश में थीं। भाजपा ने सोचा था कि यदि शाह इस्तीफा दे दें और उसके बाद चुप्पी ओढ लें तथा समर्थकों को भी संयत रखो। माना जाता है कि इस्तीफे के बाद शाह अपने राजनीतिक भविष्य के लिए फिक्रमंद हैं।

बस पलटने से एक की मौत, दो दर्जन से अधिक घायल

मैहर। मध्यप्रदेश के मैहर जिले के अमदरा थाना क्षेत्र के पकरिया गांव के निकट एक निजी यात्री बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार एक यात्री की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार कल देर रात बैंगलुरू से उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जा रही निजी यात्री बस राष्ट्रीय राजमार्ग तीस पर अमदरा थाना क्षेत्र के पकरिया गांव के निकट अनियंत्रित होकर पलट गयी। हादसे मे प्रमोद शर्मा (47) निवासी गोरखपुर की मौत हो गई, जबकि घायलों को मैहर के शासकीय अस्पताल ले जाया गया।

वामपंथी दलों की मानव श्रृंखला

भोपाल। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा सैन्य अधिकारी के संबंध में अनुचित टिप्पणी करने और मुख्य मंत्री मोहन यादव द्वारा लाल सलाम का नारा लगाने वाले सारी दुनिया के मेहनतकशों और क्रांतिकारियों के खिलाफ़ अपमानजनक टिप्पणी करने के विरोध में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा कल सुबह 11 बजे ट्रांसपोर्ट हम्माल मजदूर सभा के कार्यालय के सामने (इतवारा चौराहा के समीप,भोपाल) मानव श्रृंखला बनाकर प्रदर्शन किया जाएगा । इस अवसर पर मध्य प्रदेश के राज्यपाल के लिए तत्संबंधी ज्ञापन सौंपा जाएगा।

नाराजगी बरकरार

शिवाजी नगर में 6 नंबर बस स्टाप पर कांग्रेस ने मप्र सरकार के मंत्रियों की अर्नगल बयानबाजी का विरोध किया और पुतला जलाया।

शिक्षकों की समस्याओं के लिए शिविर

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्कूल शिक्षा विभाग अब शिक्षकों और गैर शैक्षणिक स्टाफ की विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए 19 मई को शिविर का आयोजन करेगा।?इस शिविर में क्रमोन्नति, समयमान वेतनमान, वेतन वृद्धि और सर्विस रिकॉर्ड को अपडेट करने का काम भी किया जाएगा। इसके अलावा जिन शिक्षकों पर किसी न किसी मामले में वसूली की जाना है और उनके रिटायरमेंट में तीन साल का समय बाकी है, उनसे वसूली का काम भी शुरू किया जाएगा। शिविर में क्रमोन्नति वेतनमान, समयमान वेतनमान, वेतन वृद्धि, सेवा अभिलेखों के अपडेटेशन पर विशेष कार्य किया जाएगा। आगामी 3 वर्षों में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के वेतन निर्धारण का कोष एवं लेखा द्वारा परीक्षण किया जाकर वसूली योग्य प्रकरणों में सेवा से पूर्व वसूली का निर्धारण किया जाएगा। शिविर में पेंशन और अन्य लंबित स्वत्वों का निराकरण, अन्य लम्बित अभ्यावेदनों का निराकरण किया जाएगा। जिला और संभागीय कार्यालयों को 30 मई तक समय-सारणी का निर्धारण संबंधित संयुक्त संचालक के मार्गदर्शन में किये जाने के लिए कहा है। समय-सारणी की सूचना लोक शिक्षण संचालनालय को दिये जाने के लिए कहा है। लोक शिक्षण संचालनालय से जारी निर्देश के अनुसार स्कूलों में गर्मी की छुट्टी खत्म होने तक संभाग और जिला स्तर पर समस्याओं के निराकरण के लिए रविवार से शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविर में क्या काम किए जाएंगे, इसके लिए संभागीय संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किए गए हैं।

इंदौर के राजवाड़ा में होने वाली कैबिनेट बैठक में मिलेगी मंजूरी

भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के विकास का एक्ट लाएगी सरकार, ड्राफ्ट हुआ तैयार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के विकास के लिए मोहन सरकार एक्ट लाने जा रही है। इसका ड्राफ्ट तैयार कर लिया है जिसे मंगलवार को इंदौर में होने वाली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। इस पर चर्चा होने के बाद मंजूरी मिल सकती है। जिसे अगले विधानसभा सत्र में पेश किया जाएगा।

उक्त एक्ट के ड्राफ्ट को शनिवार सीएम डॉ. मोहन यादव के सामने पेश किया गया। जिसमें सभी बिंदुओं पर चर्चा की। सीएम ने कुछ बिंदुओं पर संशोधन दिए तो कुछ नए बिंदु जोड़ने की सलाह दी। सीएस अनुराग जैन ने भी ड्राफ्ट में मामूली बदलाव की बात रखी। भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, ब्यावरा (राजगढ़) और इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में इंदौर तो शामिल रहेगा ही, इसके अलावा उज्जैन, देवास, धार शामिल किया जाएगा। दोनों क्षेत्रों में आसपास के जिलों को मिलाया जाकर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र की सीमाएं घोषित होंगी। उक्त् क्षेत्रों के समग्र विकास की योजनाएं बनाई जाएंगी, जिनमें सड़कों के जाल, परिवहन की एकीकृत सुविधा, सुरक्षा तंत्र विकसित किए जाएंगे। उद्योगों के लिए ऐसे क्षेत्रों को जोन में बांटा जाकर, एक समग्र नीति लाई जाएगी। शहरीकरण का काम जिलों से जुड़ी पंचायतों, जनपद पंचायतों व नगर परिषदों में भी होंगे। अस्पताल, स्कूल, कॉलेज जैसे संस्थानों का विकास होगा। मेट्रो रेल जैसी सुविधाओं का विस्तार होगा। इंदौर-भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के लिए मुंबई मेट्रो की तर्ज पर भविष्य में अलग रेलवे ट्रैक भी देखने को मिल सकता है।

भोपाल-इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के बीच होगा विकास का कॉरिडोर

भोपाल-इंदौर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र को देशभर में विकास के मॉडल के रूप में जोड़ने की तैयारी है इसके लिए दोनों क्षेत्रों के बीच एक बड़ा इकॉनामिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जो सड़क व मेट्रो रेल परिवहन जैसी सुविधाओं से जुड़ा रहेगा। इंदौर व भोपाल दोनों की अपनी खासियत है, इनके बीच पहले ही रोड कनेक्टिविटी अच्छी है, जिसे और बेहतर करने का लक्ष्य है।

देवी अहिल्या बाई को समर्पित होगी कैबिनेट

राजवाड़ा में होने वाली कैबिनेट बैठक देवी अहिल्या बाई को समर्पित होगी। उन्होंने जनकल्याण से जुड़े कई काम किए थे, जिन्हें आज भी आदर्श के रूप में देखा जाता है। इनमें कुटीर उद्योगों के जरिए महिलाओं को सशक्त करना, मंदिरों व घाटों का संरक्षण करना और किसानों के हितों में निर्णय लेना शामिल है। मोहन सरकार देवी अहिल्या बाई को समर्पित की जाने वाली कैबिनेट बैठक में कई कल्याणकारी प्रस्तावों को शामिल कर सकती है। इनमें तीनों बिजली वितरण कंपनियों के लिए 20 हजार से अधिक पद सृजित करने, कर्मचारियों को पदोन्नति के अवसर देने संबंधी प्रस्ताव भी शामिल किए जा सकते है।

राज्य शिक्षा केंद्र संचालक, कमिश्नर-कलेक्टर तक शपथ पत्र पर पहुंची शिकायतें

डीपीसी पर रिश्वत मांगने का आरोप कथित आडियो भी हुआ वायरल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बाबू सीजे जॉयसन को लेकर सुर्खियों में रहा स्कूल शिक्षा विभाग अब राजधानी में जिला शिक्षा केंद्र में पदस्थ जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) ओपी शर्मा को लेकर चर्चाओं में है। माामले में डीपीसी शर्मा के खिलाफ अपने अधीनस्थों से रिश्वत मांगने सहित कई गंभीर आरोपों के साथ लिखित शिकायतें आरएसके संचालक, कमिश्नर-कलेक्टर तक पहुंची हैं। इसके साथ ही एक कथित आडियो भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वायरल आडियो में रूपयों मांग करते हुए दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि दोपहर मेट्रो इस ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। इधर मामले में डीपीसी शर्मा ने सभी आरोपों को नकारते हुए झूठा बताया है। शर्मा ने कहा कि मेरे खिलाफ साजिश की जा रही है। इसमें कई लोग शामिल हैं। इस आडियो में मेरे द्वारा की गई बात सरकारी पैसे जमा करने की है। जिसे रिश्वत का रूप दिया जा रहा है। मैं अपने उच्च अधिकारियों को इसकी सच्चाई बताऊंगा।

यह है पूरा मामला : पीड़ित अधिकारियों ने शपथ पत्र यह शिकायतें वरिष्ठ अधिकारियों से की है। इसमें सहायक जिला परियोजना समन्वयक यानि एपीसी के पद पर कार्यरत वीरेंद्र कुमार चौरसिया ने अपनी शिकायत में कहा है कि डीपीसी शर्मा द्वारा उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित और अपमानित किया जाता है। उनके द्वारा वरिष्ठ कार्यालय को धोखे में रखकर गलत जानकारी दी जाती है। इस शिकायत में चौरसिया ने रिकार्डिंग का हवाला देते हुए कहा है कि धमकाकर पैसे की मांग की गई। वहीं एक अन्य शिकायत उच्च माध्यमिक शिक्षक चंद्रेश सिंह चौहान द्वारा की गई शिकायत में कहा गया है कि कन्या जहांगीराबाद प्राचार्य द्वारा मुझे कार्य के अतिरिक्ति जन शिक्षा केंद्र में जन शिक्षक का अतिरिक्त कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया, क्योंकि पद रिक्त था लेकिन डीपीसी शर्मा द्वारा इस पद पर बने रहने के लिए रिश्वत की मांग की गई।

बिटोआ का शपथ ग्रहण समारोह

भोपाल। बिटोआ इनफॉरमेशन का चुनाव हाल में संपन्न हुआ। यह संगठन इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी ऑफिस ऑटोमेशन से संबंधित व्यापार करता है एवं साथ में समाज सेवा का भी कार्य करता है । हाल ही में इसे आईसीटी राष्ट्रीय अवॉर्ड भी मिला है। चुनाव में चुने गये अध्यक्ष आईटी वर्ल्ड ललित जैन ,उपाध्यक्ष कपिल साहू बालाजी एंटरप्राइजेजसचिव पी. पी. सिंह अमन कम्प्यूटर्स ,कोषाध्यक्ष के.एस. गौर बंटी एडवांस टेक्नोलॉजी,संयुक्त सचिव अशोक श्रीवास्तव ब्रेनवेयर सिस्टम्स ने पदभार ग्रहण किया । संगठन के वरिष्ठ व्यापारी राकेश श्रीवास्तव ने मंच संचालन किया ।वरिष्ठ सदस्य महेंद्र चांडक ने बताया कि सभी सदस्य समाज सेवा में रक्तदान से लेकर अन्य सभी गतिविधियों के लिए कृत संकल्पित है।

केन्द्र का उद्घाटन करेंगे मंत्री सारंग 19 मई को

करोंद में खुलेगा सेवासदन का केन्द्र, होंगी आंखों की जांच

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के करोंद क्षेत्र में सेवासदन नेत्र चिकित्सालय, संतनगर दृष्टि जांच केन्द्र शुरू करेगा, जिसका उद्घाटन 19 मई को प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग करेंगे। विज़न सेंटर खुलने के पहले दिन निर्धन नेत्र रोगियों की निःशुल्क जांच और आवश्यकतानुसार उनके निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किये जायेंगे । यह विजन सेंटर करोंद चौराहा, हनुमान मंदिर के सामने, शर्मा काम्प्लेक्स में खोला जा रहा है। करोंद क्षेत्र के रहवासियों और निर्धन रोगियों को नजदीक में ही दृष्टि जांच सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यह केंद्र खोला जा रहा है। अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित केंद्र पर अनुभवी ऑप्टोमेट्रिस्ट की तैनाती की गई है। यह जांच केंद्र प्रतिदिन (रविवार छोड़कर) प्रातः 9.00 से दोपहर 1.00 बजे तक और दोपहर 2.00 से शाम 6.00 बजे तक खोला जाएगा। दृष्टि जांच केन्द्र में अत्याधुनिक उपकरणों से रोगियों की दृष्टि और नेत्र रोगों की जांच की जाएगी। मोतियाबिंद से पीड़ित निर्धन रोगियों को ऑपरेशन की आवश्यकता पड़ने पर एम्बुलेंस से सेवा सदन अस्पताल भेजकर उनके निःशुल्क ऑपरेशन किये जायेंगे।

कम उम्र में खराब होने लगी आंखों की रोशनी

सेवासदन के चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि पहले 60 साल या उससे अधिक उम्र वाले लोगों को मोतियाबिन्द की शिकायत होती थी, लेकिन अब पर्यावरणीय दुष्प्रभावों, खानपान और बिगड़ती हुई जीवनशैली, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, एन्ड्रोइड सेलफोन, लैपटॉप, डेस्कटॉप, स्मार्ट टीवी आदि उपकरणों के बहुतायत उपयोग के कारण कम उम्र में ही लोगों की दृष्टि खराब होने लगी है। कोरोना बीमारी के बाद तो बड़ी संख्या में युवक-युवतियों को दिनभर में 8-10 घण्टे कम्प्यूटर पर वर्क फ्रॉम होम काम करना पड़ रहा था। कोरोना में स्कूल बंद होने के कारण बच्चों को भी मोबाइल पर ऑनलाइन पढ़ाई करनी पड़ रही थी। ऐसी कार्यदशाओं के कारण भी बहुत लोगों को दृष्टि दोष की समस्याएं होने लगी हैं। यदि शुरूआती तौर पर ही इन लोगों को अपनी आंखों की जांच की सुविधा और साधन मिलने लगे तो उनकी दृष्टि को होने वाली स्थायी क्षति की संभावनाओं को समय रहते रोका जा सकता है।

ज्वाला समर कैंप में 15 दिनी प्रशिक्षण

हिरदाराम नगर। ज्वाला कान्वेंट स्कूल में चल रहे 45 दिवसीय समर कैंप में बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा है। कैंप में अनुभवी शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के हुनर सिखाए जा रहे हैं। बच्चों में हिंदी और वेस्टर्न डांस के साथ-साथ जुंबा डांस को लेकर खासा क्रेज देखा जा रहा है। इसके अलावा, एडवांस इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स में भी बड़ी संख्या में बच्चे रुचि ले रहे हैं। कैंप में सुंदर राइटिंग, पेंटिंग, मेहंदी, कंप्यूटर, बेकार चीजों से बेहतरीन कलाकृतियां बनाना (बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट), कैलीग्राफी राइटिंग, सिंगिंग, ड्राइंग और पोस्टर पेंटिंग जैसी कलाओं का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कलात्मक डांस भी बच्चों को खूब आकर्षित कर रहा है। प्राचार्य राज बतरा ने बताया कि इस 45 दिवसीय समर कैंप के समापन पर बच्चों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कैंप का समापन 10 जून को एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ होगा, जिसमें बच्चों द्वारा सीखी गई कलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा।

सिंधी प्रीमियर लीग का आठवां सीजन आज से

सेना के शौर्य को समर्पित होगा टूर्नामेंट

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

पुराने भोपाल के बाबे अली ग्राउंड पर पिछले आठ वर्षों से आयोजित हो रहा लोकप्रिय सिंधी प्रीमियर लीग इस बार एक विशेष पहचान के साथ शुरू हो रहा है। आयोजक सिंधु सेना ने इस वर्ष के टूर्नामेंट को भारतीय सेना के वीर जवानों द्वारा सफलतापूर्वक चलाए गए %ऑपरेशन सिंदूर% को समर्पित करते हुए इसका नाम ÷सिंदूर प्रीमियर लीग÷ रखा है।

ग्राउंड को देशभक्ति के रंग में रंग दिया गया है, जिसे तिरंगे से भव्यता से सजाया गया है। इसके साथ ही, एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जो भारतीय सेना के अदम्य साहस और शौर्य गाथा को दर्शाती है। टूर्नामेंट में आने वाले दर्शक इस प्रदर्शनी के साथ अपनी तस्वीरें (सेल्फी) लेकर सेना के प्रति अपना सम्मान व्यक्त कर सकेंगे। आज, 18 मई से 25 मई तक बाबे आली स्टेडियम में शाम 7 बजे से शुरू होने वाले इस रोमांचक नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट का

उद्घाटन भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के कर कमलों द्वारा किया जाएगा। इस गौरवपूर्ण अवसर पर पूर्व सैनिकों का विशेष सम्मान भी किया जाएगा। टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी टीमों को भारतीय सेना की विभिन्न प्रतिष्ठित रेजिमेंटों के नाम पर रखा गया है। सभी खिलाड़ी सेना के प्रति अपना सम्मान प्रदर्शित करते हुए मिलिट्री की विशेष टी-शर्ट और %ऑपरेशन सिंदूर% की कैप पहनकर मैदान में उतरेंगे।

आयोजक राकेश कुकरेजा ने इस पहल के बारे में बताते हुए कहा, ÷%ऑपरेशन सिंदूर% देश की सुरक्षा और हमारी सेना की बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण है। हम सभी देशवासी अपनी सेना के सदैव आभारी हैं, और इस टूर्नामेंट के माध्यम से हम उनके शौर्य को सलाम करना चाहते हैं।÷

मेट्रो एंकर

सुख सागर आश्रम में 19 से 25 होगी भागवत कथा

भव्य कलश यात्रा की तैयारियां तेज, बैठक हुई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सुखसागर आश्रम में श्रीमद भागवत कथा की तैयारियों तेज हो गई हैं। 19 से 25 मई तक कथा का आयोजन होगा। सात दिवसीय आध्यात्मिक आयोजन की शुरुआत 19 मई को कलश यात्रा के साथ होगी, जो आश्रम से निकाली जाएगी।

इस कलश यात्रा की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर चर्चा करने के लिए आश्रम के गदीशीन महंत बाबा रामदास उदासीनजी की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलश यात्रा के प्रभारी हीरो हिन्दू और उनकी टीम के प्रमुख सदस्य शामिल हुए। महंत बाबा रामदासजी ने कथा अनुष्ठान की जानकारी साझा की। कलश यात्रा के प्रभारी हीरो हिन्दू ने उपस्थित श्रद्धालुओं को यात्रा के संबंध में विस्तृत जानकारी

दी। उन्होंने बताया कि इस शोभायात्रा में 100 से 150 के बीच माताएं और बहनें मंगल कलश धारण कर यात्रा के अग्रभाग में चलेंगी। इसके अतिरिक्त, एक सजी हुई बग्गी में स्वयं बाबा जी और अन्य संत महात्मा विराजमान होंगे।

यह भव्य कलश यात्रा बैंड बाजों और मधुर धार्मिक भजनों के साथ दोपहर 4 बजे सुखसागर दरबार से प्रारंभ होगी। यह मुख्य मार्ग से होते हुए वापस दरबार परिसर में ही संपन्न होगी। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक में गोकुल उदासी, नारायणदास सबनानी, पूर्व पार्षद संध्या प्रधान, किरण वाधवानी, अनिता मिश्रा, निर्मला सोनी, भारती मूलचंदानी, कुसुम चतुर्वेदी, कविता गोलानी, सीमा लालवानी, तुलसी सदारंगानी, लीलाराम लेखवानी, श्याम गोपलानी, नानकराम दादलानी, प्रभु मूलचंदानी, माधु घनशानी, शमी गंगवानी, गोविंद वाधवानी, हीरदीदी सहित बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी भाई-बहन उपस्थित थे।

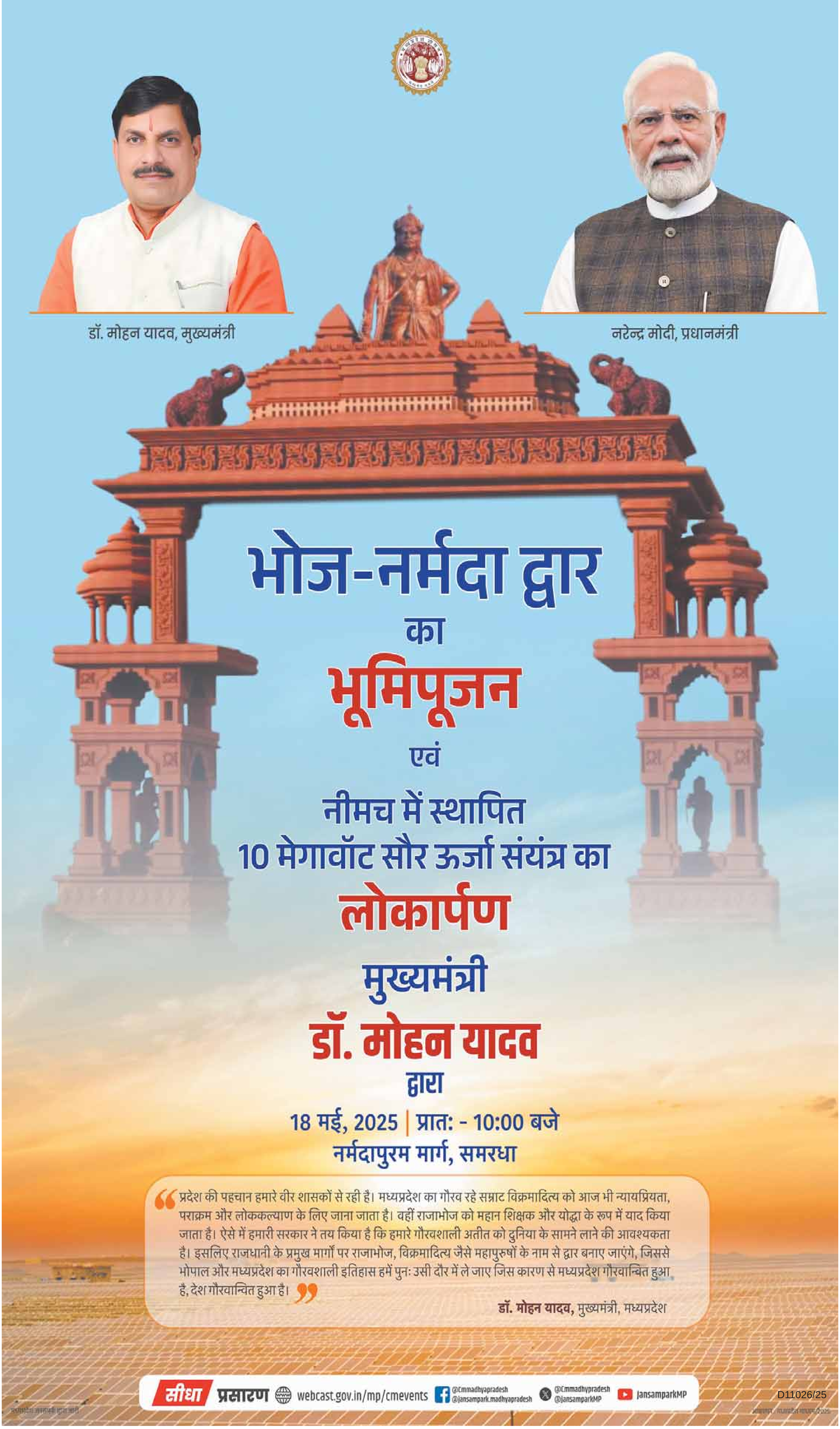
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
भोज-नर्मदा द्वार
का
भूमिपूजन
एवं
नीमच में स्थापित
10 मेगावॉट सौर ऊर्जा संयंत्र का
लोकार्पण
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
18 मई, 2025 | प्रातः - 10:00 बजे
नर्मदापुरम मार्ग, समरधा
"प्रदेश की पहचान हमारे वीर शासकों से रही है। मध्यप्रदेश का गौरव रहे सम्राट विक्रमादित्य को आज भी न्यायप्रियता, पराक्रम और लोककल्याण के लिए जाना जाता है। वहीं राजाभोज को महान शिक्षक और योद्धा के रूप में याद किया जाता है। ऐसे में हमारी सरकार ने तय किया है कि हमारे गौरवशाली अतीत को दुनिया के सामने लाने की आवश्यकता है। इसलिए राजधानी के प्रमुख मार्गों पर राजाभोज, विक्रमादित्य जैसे महापुरुषों के नाम से द्वार बनाए जाएंगे, जिससे भोपाल और मध्यप्रदेश का गौरवशाली इतिहास हमें पुनः उसी दौर में ले जाए जिस कारण से मध्यप्रदेश गौरवान्वित हुआ है, देश गौरवान्वित हुआ है।"
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
सीधा प्रसारण
webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D11026/25

भोपाल : तहज़ीब, तालीम और तासीर का शहर

गंगा-जमुनी तहज़ीब को कभी न लगे कोई बुरी नज़र, खूबसूरती बनी रहे

■ ताहिर अली

यदि मंदिरों से घंटियों की मधुर आवाज़ और मस्जिदों से बुलंद अज़ान एक साथ गूंजे, तो समझ लीजिए आप उस शहर में हैं, जहाँ सदियों से गंगा-जमुनी तहज़ीब ने अपने खूबसूरत रंग बिखेरे हैं। यह शहर है भोपाल झीलों की नगरी, नवाबी संस्कृति की परछाई, प्राकृतिक सौंदर्य की मिसाल और ऐतिहासिक धरोहरों का सजीव संग्रह। भोपाल की सबसे बड़ी खासियत इसकी साझा संस्कृति है। यहाँ तालाब के बीचों-बीच मंदिर, मस्जिद और मजारों का साथ-साथ दिखना आम बात है। यही वह शहर है, जहाँ सबसे बड़ी मस्जिदों में से एक ङ्क ताजुल मस्जिद है, तो वहीं विश्व की सबसे छोटी मस्जिद मानी जाने वाली 'ढाई सीढ़ी मस्जिद' भी यहीं स्थित है। भोपाल में उर्दू भाषा का उपयोग लगभग सभी समुदाय के लोग करते हैं।

भोपाल की सड़कों पर चलते हुए अगर कोई राहगीर किसी मोहल्ले का पता पूछ ले, तो भोपाली उसे दरवाजे तक छोड़कर आते हैं। यही इसकी तहज़ीब है, यही इसकी पहचान है। भोपाल की एक बात ओर मशहूर है कि जो भी भोपाल आता है यहां के लोग उसे सीने से लगा लेते हैं। हिन्दुस्तान के किसी भी कोने से जो भोपाल आया जैसे नौकरीपेशा या कोई भी व्यवसाय के लिए यहीं का होकर रह गया। भेल कारखाना इसका जीता-जागता उदाहरण है। ज्यादातर नौकरी पेशा अधिकारी एवं कर्मचारी रिटायर होने के बाद भोपाल को ही अपना मानकर यहीं बस गए। काफी लोग कारोबार करने के उद्देश्य से यहीं आकर आबाद हो गये।

भोपाल की मज़ेदार 'उर्फ़ियित' नाम के पीछे नाम की दुनिया!: भोपाल, भोपाली और भोपालियत की पहचान केवल ताल-तालैया और ऐतिहासिक इमारतों आबोहवा, तहजीब और संस्कृति तक सीमित नहीं है, बल्कि अपनी अनोखी और मज़ेदार 'उर्फ़ियितों' के लिए भी मशहूर है। जब किसी मोहल्ले में एक ही नाम के कई लोग हों, तो पहचान बनाने के लिए नाम के पीछे कुछ जोड़ना लाज़मी हो जाता है, फिर चाहे वो पहनावे से जुड़ा हो, बोलचाल से, शौक से या किसी मज़ेदार किस्से से ङ्क हर भोपाली को मिल जाता है उसका ख़ास उर्फ़ी

टाइटल। इस अनोखी नामावली वाले तारिक़ टाई थे, जो हमेशा टाई में दिखते थे, तारिक़ चपटे, जिनके गाल खुद गवाही देते हैं, तारिक़ होंठ कटे, जिनके होंठों की कहानी हर गली जानती है, और तारिक़ झबरे, जिनकी आंखें ही उनकी पहचान हैं। आरिफ़ अंडे का नाश्ता शहर भर में मशहूर है, तो आरिफ़ बुलबुल अपने गले से सबको दीवाना बना देते हैं। बाबूलाल 501 नाम की सिगरेट की तरह मशहूर हैं, और सेठ छगनलाल, जिनका सेठपना मोहल्ले में आज भी कायम है।

रविंद्र सिंह लखरत, बाबूलाल लठमार, चांदमल हिटलर, मोहन पंचायती, लाला मुल्कराज, सरदारमल लालवानी, नाहर सिंह सूरमा भोपाली, कन्हैयालाल 'बीड़ी' और के. अमीनउद्दीन-301 तो अपनी शान और रसूख़ के लिए पहचाने जाते हैं। अखिलेश अग्रवाल गफूरे और वहीद अग्रवाल की उर्फ़ियतें उनकी दोस्ती और कारोबार की दास्तान सुनाती हैं। हफ़ीज़ पाजामे और चांद कटोरे का नाम सुनते ही भोपाल मुस्कुरा उठता है, वहीं चांद चुड़वे मोहल्ले की कहानियों के नायक हैं। सुरेश 501, अनिल अग्रवाल पटीये, और देवेश सिमहल वकील साहब अपने नाम से ही काफ़ी असरदार हैं। बाबू साहब घोड़े और बाबू साहब नाम की सादगी में गजब की शान है। आलू बड़े, ज़ायकों की दुनिया के हीरो हैं, और लोक सिंह ताल ठोंकू हर बहस में जीत की गारंटी हैं। रईस भूरा, मुन्ने मॉडल ग्राउंड, मुन्ने पेंटर, मुईन क़द्दे और माहिर मदीना ङ्क ये नाम जैसे ही कान में पड़ें, पूरा मोहल्ला मुस्करा उठता है।

भोपाल की गलियों में लोग नाम से कम और उर्फ़ियित से ज़्यादा जाने जाते हैं। जावेद चपटे और जावेद चिराटे जैसे नामों में मज़ाकिया तंज है, तो बन्ने पहलवान और बन्ने लखेरा में मोहल्ले की दो अलग-अलग शख्सियतें झलकती हैं। कल्लू अड्डे, बाबू भड़भुजे, मुन्ने फुक्की, ईरानी और डूंड जैसे नाम रोज़मर्रा की आदतों, मज़ाक या पेशे से जुड़े हैं। सईद बुल, छुटकटे, वहीद ढेलकी, आरिफ पिस्स, और अनफिट भोपाल की उस खास तासीर को दर्शाते हैं, जहां हर नाम के पीछे एक किस्सा है – हँसी, अपनापन और तंज से भरा। यही भोपाल की असली पहचान है – उर्फ़ियितों में बसी यारी और यादें। भोपाल की इन मज़ेदार उर्फ़ियितों में वो अपनापन है, जो किसी जीपीएम में नहीं मिलता-सिर्फ मोहल्लों की यादों और बातों में ही जिंदा रहता है।

(लेखक रिटायर्ड जनसंपर्क अधिकारी हैं।)

सांस्कृतिक सह-अस्तित्व की मिसाल

भोपाल की सांस्कृतिक विरासत की सबसे मजबूत कड़ी उसकी हिंदू-मुस्लिम एकता है, जो सिर्फ सामाजिक सौहार्द का प्रतीक नहीं, बल्कि ऐतिहासिक संघर्षों के बीच पनपी सहिष्णुता और साझेदारी की अनूठी मिसाल है। जब देश के अन्य हिस्सों में अंग्रेजों की 'फूट डालो और राज करो' नीति ने सांप्रदायिक तनाव को जन्म दिया, तब भी भोपाल ने अपनी गंगा-जमुनी तहज़ीब को संजोए रखा। हर वर्ग के लोगों ने एक दूसरे से बहुत प्यार मोहब्बत के साथ दिली लगाव रखा। सन 1812 की लड़ाई में हिंदू योद्धाओं जैसे डांगर सिंह, जय सिंह, और अमन सिंह पटेल ने भोपाल की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यहां तक कि युद्ध में महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी की, यह दिखाते हुए कि भाईचारा केवल धार्मिक स्तर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के स्तर पर भी जीवित था। भोपाल रियासत के प्रशासन में हर कालखंड में हिंदुओं की भूमिका महत्वपूर्ण रही। दीवान (प्रधानमंत्री) जैसे उच्च पदों पर लाला घानी राम, लाला फूलानाथ, राजा अवध नारायण जैसे हिंदू अधिकारी रहे। यह समावेशिता केवल औपचारिक नहीं थी — ये अधिकारी नवाबों के विश्वासपात्र भी थे। नवाब कुदसिया बेग़म के दरबार में एक हिंदू, एक मुसलमान और एक ईसाई मंत्री नियुक्त थे — यह उस समय की धार्मिक विविधता के प्रति सम्मान का प्रतीक था। रियासत के इंजिमाम (शामिल करने) के बाद शरीफ़ शरणार्थियों में (उच्च परिवार के शरणार्थी) सरदार गुरबख्श सिंह भी थे, जिनके बेटे अमरीक सिंह रंजीत होटल चलाते हैं। वे बहू मियाँ के साथ ईद पर नवाब साहब को सलाम करने जाते। एक बार नवाब साहब ने पूछा कि भोपाल कैसा लग रहा है, तो सरदार साहब ने हाथ जोड़कर कहा कि जहाँ गरीब परवर सरकार का साया हो, वहाँ कोई कैसे न खुश हो — यह कहते हुए वे भावुक हो गए। नवाबों ने हिंदू नागरिकों और जागीरदारों के अधिकारों को बराबरी से सम्मान दिया। नवाब सुल्तान जहां बेग़म ने रंग पंचमी पर रंग और सावन के झूले जैसे हिंदू पर्वों में भाग लिया, और गरीब हिंदुओं के लिए 卐सदाव्रत卐 योजना शुरू की, जिसमें उन्हें भोजन और यात्राओं के लिए सामग्री दी जाती थी। हवा महल की दीवार इसलिए टेढ़ी बनाई गई क्योंकि पास के एक हिंदू नागरिक ने अपनी जमीन बेचने से इनकार किया था — सरकार ने उस निर्णय का सम्मान किया।

धैर्य ही बुद्धत्व का मूल मंत्र है बाधाओं को स्वीकारना ही सूत्र

■ श्री श्री रविशंकर

जीव को तीन चीजों की उपलब्धि बहुत कठिन है। पहला, मनुष्य जीवन। दूसरा, मनुष्य जीवन मिलने पर अध्यात्म में रुचि और साधना। समाज में कुछ लोगों को ही अध्यात्म और साधना का स्वाद लगता है और यह स्वाद एक प्रसाद है। अधिकतर लोग तो एक मशीन की तरह जी रहे हैं-बस खाना, पीना और सोना। उन्हें जीवन के वास्तविक मूल्यों का कुछ पता नहीं। ऐसे लोगों के जीवन की कोई सार्थकता नहीं। यह उनका दुर्भाग्य है। ऐसे भाग्यहीन लोगों को जीवन की नश्वरता और परिवर्तनशीलता की भनक तक नहीं पड़ती। हालांकि, यही जीवन का सत्य है और इसी से जीवन मूल्यवान है।तीसरी सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है, किसी संत या सद्गुरु का सान्निध्य, जो बहुत मुश्किल से मिलता है। इसके लिए प्रतीक्षा करनी पड़ती है। उचित समय पर यह भी हो जाता है, लेकिन तब तक असीम धैर्य और प्रतीक्षा की जरूरत होती है। एक महात्मा के दो शिष्य थे। उनमें से एक वृद्ध था, उनका बहुत पुराना और पक्का अनुयायी, कड़ी साधना करने वाला। एक दिन उसने गुरु से पूछा, 'मुझे मोक्ष या बुद्धत्व की प्राप्ति कब तक होगीड़' गुरु बोले, 'अभी तीन जन्म और लगेंगे। यह सुनते ही शिष्य ने कहा, मैं बीस वर्षों से कड़ी साधना में लगा हूं, मुझे क्या आप अनाड़ी समझते हैं। बीस साल की साधना के बाद भी तीन जन्म और ! नहीं, नहीं।' वह इतना क्रोधित और निराश हो गया कि उसने उसी वक्त अपनी माला तोड़ दी, आसन पटक दिया और चला गया। दूसरा अनुयायी एक युवा लड़का था, उसने भी यही प्रश्न किया। गुरु ने उससे कहा, 'तुम्हें बुद्धत्व प्राप्त करने में इतने जन्म लगेंगे, जितने इस पेड़ के पत्ते हैं।' यह सुनते ही वह खुशी से नाचने लगा और बोला, 'वाह, बस इतना ही ! और इस पेड़ के पत्ते तो गिने भी जा सकते हैं। वाह, आखिर तो वह दिन आ ही जाएगा। इतनी प्रसन्नता थी उस युवक को, इतना था उसका संतोष, धैर्य और स्वीकृति भाव। बताते हैं कि उस युवक को उसी वक्त बुद्धत्व प्राप्त हो गया। धैर्य ही बुद्धत्व का मूल मंत्र है, अनंत धैर्य और प्रतीक्षा। परंतु प्रेम में प्रतीक्षा बड़ी कठिन होती है।

ज्यादातर लोग जीवन में प्रतीक्षा निराश होकर ही करते हैं, प्रेम से नहीं कर पाते। प्रतीक्षा भी दो प्रकार की होती है। एक है निराश मन से प्रतीक्षा करना और निराश होते जाना। दूसरी है प्रेम में प्रतीक्षा, जिसका हर क्षण उत्साह और उल्लास से भरा रहता है। ऐसी प्रतीक्षा अपने में ही एक उत्सव है, क्योंकि मिलन होते ही प्राप्ति का सुख समाप्त हो जाता है। प्रतीक्षा प्रेम की क्षमता और हमारा स्वीकृति भाव बढ़ाती है। अपने भीतर की गहराई को मापने का यह एक सुंदर पैमाना है। यह प्रेम-पथ स्वयं में पूर्ण है और जीवन से जुड़ा हुआ है। इस पथ ने प्रेम, ज्ञान, कर्म सेवा सबको अपने भीतर समाहित कर लिया है, ताकि विशुद्ध चेतना का झरना बहता रहे। बुद्धत्व, किसी भी व्याख्या से परे,

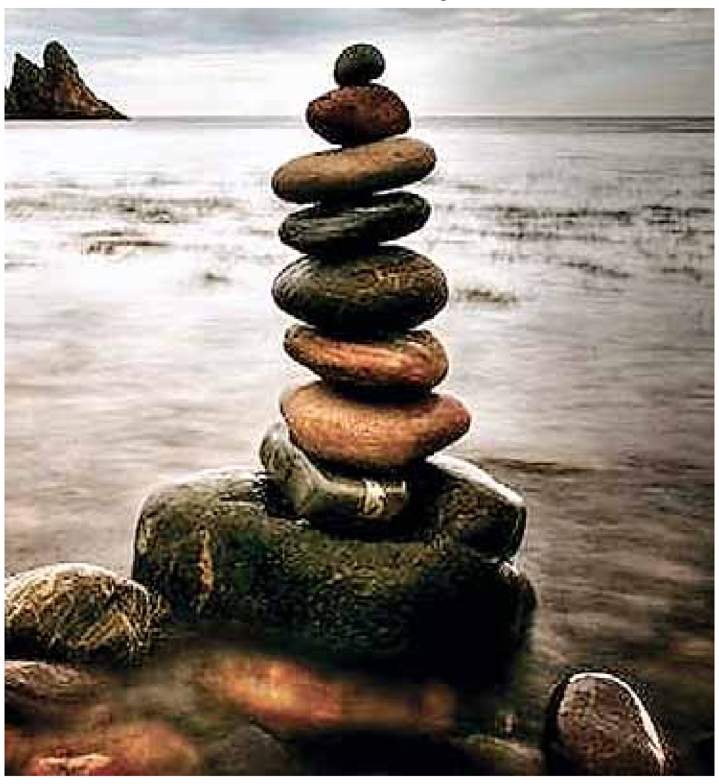

शिकायत की हदों से पार की अवस्था है-एक अनुभूति है।

सूत्र- बाधाओं को स्वीकारें

जीवन की लय कभी सीधी नहीं होती। कुछ भी करो, दुख और सुख, दोनों जीवन में रहेंगे। बाधाएं आ जाएं, तो इन्हें रास्ते के पत्थर की तरह नहीं, बल्कि प्रगति की सीढ़ी की तरह स्वीकार करना ही उचित है। प्रगति के पथ पर 'बाधा' तो एक अवश्यंभावी पड़ाव है मन में सकारात्मक विचार रखें और सभी बाधाओं को पार कर जाएं। **(साभार)**

अब घर जैसा मनोरंजन महसूस करा रहा 'ओटीटी'

■ हेमंत पाल

सिनेमा की दुनिया में कोरोना काल और उसके बाद बड़ा बदलाव आया। क्योंकि, यह वो समय काल था, जिसने जीवन के हर क्षेत्र पर असर डाला। मनोरंजन क्षेत्र पर असर यह पड़ा कि सिनेमाघर बंद हो गए, टीवी सीरियलों की शूटिंग बंद होने से टीवी पर भी पुराने कार्यक्रम दिखाए गए। ऐसे में मोबाइल पर 'ओटीटी' नाम से मनोरंजन की एक दुनिया का जन्म हुआ। कोरोना के दौरान ओटीटी ने लोगों का मन बहलाया। कोरोना काल के बाद समझा जाने लगा था, कि अब ओटीटी के दर्शकों की संख्या पर असर आएगा, पर ऐसा नहीं हुआ। मोबाइल तक सीमित मनोरंजन का यह नया माध्यम स्मार्ट टीवी का प्रमुख हिस्सा बन गया और दायरा भी विस्तारित हुआ। शुरुआत में ओटीटी पर अधिकांश वेब सीरीज अपराध केंद्रित होती थी। क्रिमिनल जस्टिस, महाराजा, पाताल लोक, दिल्ली क्राइम, फोरेंसिक, और 'आर्या' जैसी कई वेब सीरीज ने दर्शकों को आकर्षित भी किया। लेकिन, धीरे-धीरे दर्शक इन एक जैसी अपराध कथाओं से ऊबने लगे। इन्हें पूरा परिवार एक साथ देख भी नहीं सकता है। इस कंटेंट के विरोध की आवाज उठने लगी। लेकिन, एक-डेड़ साल में ओटीटी पर तेजी से बदलाव आया। इसका प्रमाण है कि राजश्री जैसे प्रोडक्शन हाउस ने भी अपनी पहली वेब सीरीज 'बड़ा नाम करेगा' ओटीटी के लिए बनाई। पारिवारिक रिश्तों की उलझन वाले किस्सों को प्रधानता दी जाने लगी, जिस ओटीटी पर कभी अपराध की बाड़ थी, वहां अब रिश्तों का सामंजस्य दिखाई देने लगा। कई वेब सीरीज और ओटीटी के लिए बनी फिल्में ओटीटी का चेहरा बदलने का जरिया बनीं। आरती कदव डायरेक्टेड फिल्म 'मिसेज' की कहानी हर महिला से जुड़ी लगती है। इसमें सान्या मल्होत्रा की मुख्य भूमिका है जिसमें एक महिला के संघर्ष को दिखाया गया। वो कैसे पितृसत्ता की मानसिकता से लड़कर अपने सपने पूरा करती है। इसकी कहानी ऋचा (सान्या मल्होत्रा) की है। उसे डांसर बनना था, पर घर की जिम्मेदारियों के बीच उसके सपने पीछे छूट जाते हैं। यह मलयाली फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचन' का हिंदी रीमेक है। सान्या मल्होत्रा की ही फिल्म 'मीनाक्षी सुंदरेश्वर' भी ऐसी महिला की कहानी है, जिसके पति की शादी के कुछ दिन बाद ही दूसरे शहर में नौकरी लग जाती है। लांग डिस्टेंस मैरिज के साइड इफेक्ट दिखाती 'मीनाक्षी सुंदरेश्वर' में सान्या मल्होत्रा ने एक्टिंग की है।

इसी तरह रवीना टंडन की फिल्म 'पटना शुक्ला' सामाजिक मुद्दे पर है। ये एक हाउसवाइफ की कहानी जो वकील है, पर कोई उसे गंभीरता से नहीं लेता। वो अपनी पहचान पाने के लिए संघर्ष करती है।

फिल्मों में राजश्री प्रोडक्शन नाम अपनी अलग पहचान रखता है। ऐसे में ओटीटी में उनका आना मनोरंजन के इस माध्यम को सहयोग करेगा। 'बड़ा नाम करेंगे' राजश्री की वेब सीरीज है, जिसमें बड़ी सहजता से रिश्तों का तानाबाना बुना गया है। कोरोना काल में मुंबई से शुरू होने के बाद कहानी उज्जैन, इंदौर और रतलाम पहुंच जाती है। कथानक की नायिका और नायक संयोग से पांच दिन एक ही घर में रहने को मजबूर होते हैं। बाद में उनकी शादी की बात चलती है। दोनों पहले से परिचित हैं, ये बताने का समय नहीं मिलता और 'फूफाजी' शादी में अड़चन बनने लगते हैं। ऐसी ही वेब सीरीज है 'पैठणी !' जिसमें एक बेटी और मां की कहानी है। मां पैठणी बुनने वाले केंद्र में कारीगर का काम करती है। उसका अनुभव है कि पैठनी बुनने वालों को कभी पहनने का सौभाग्य नहीं मिलता। पर, बेटी ये सपना सच कर देती है।फिल्म 'आचारी बा' में ऐसी महिला है, जिसके हाथ में स्वादिष्ट अचार बनाने का जादू है। बा को उनका बेटा मुंबई बुलाता है। वहां जाकर पता चलता है कि बेटे ने उसे परिवार के साथ समय बिताने के लिए नहीं, बल्कि घर और पालतू कुत्ते की देखभाल करनी है। बेटा-बहू विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। शहर में बा खुद को एक शरारती कुत्ते के साथ घर में अकेला पाती है। वहीं 'आचारी बा' का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होता है, जिसमें वे अचार रेसिपी बता रही हैं। यहीं से बा के 'आचारी बा' बनने का सफर शुरू होता है।कुछ अलग सी कहानियों में एक 'द स्टोरी टेलर' भी है, जो सत्यजीत रे की शॉर्ट स्टोरी 'गोलपो बोलिये तारिणी खुरो' पर आधारित है। ये एक कहानीकार पर केंद्रित है, जिसे एक बिजनेसमैन नियुक्त करता है। कहानीकार उसे सोने में मदद करने के लिए कहानियां सुनाता है। लेकिन इस बिजनेसमैन के असली इरादे कुछ और ही हैं। परेश रावल ने तारिणी बंदोपाध्याय की भूमिका की है। आमिर खान प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी किरण राव द्वारा निर्देशित फिल्म 'लापता लेडिज' इस साल सुर्खियों में रही। यह फिल्म हर महिला में आत्मविश्वास जगाती है, जो अपने सपनों के लिए संघर्ष करती है। पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की बायोपिक 'चमकीला' में दिलजीत दोसांझ ने मुख्य भूमिका निभाई है। इम्तियाज अली के निर्देशन में बनी यह फिल्म लुधियाना के गांव धुबरी में जन्मे पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री में साल 1979 से 1988 तक राज करने वाले गायक अमर सिंह चमकीला के विवादास्पद जीवन पर आधारित है। उनकी गायकी के लोग दीवाने थे। 27 साल की उम्र में अज्ञात हमलावरों ने उनकी हत्या कर दी थी। राजकुमार राव की फिल्म 'श्रीकांत' भी अपना असर छोड़ने में कामयाब रही जो उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला की कहानी है, जो अपनी आंखों से नहीं देख सकते, लेकिन उन्होंने करीब 500 करोड़ रुपये की कंपनी खड़ी कर विकलांगों के लिए रोजगार के अवसर खोले थे।खिलाड़ियों का जिक्र किया जाए, तो 'चंदू चैंपियन' कबीर खान के निर्देशन में बनी बायोपिक फिल्म है, जो परदे पर तो खास कमाल नहीं दिखा सकी, लेकिन ओटीटी पर इस फिल्म को पसंद किया गया। कार्तिक आर्यन की अदाकारी ने खूब तारीफें बटोरी। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर पर आधारित है। बॉक्सिंग के वंडर बॉय बनने और आखिर में 1965 की जंग में अपने शरीर पर 9 गोलियां खाने तक सफर जारी रहा। वह देश का पहला पैरालंपिक गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी बने। अजय देवगन की फिल्म 'मैदान' फुटबॉल से जुड़ी सत्य घटना पर आधारित है। यह महान कोच सैयद अब्दुल रहीम की कहानी है, जिनकी भूमिका अजय देवगन ने निभाई है। इसके अलावा भी कई ऐसी वेब सीरीज हैं, जो दर्शकों को पसंद आयीं।

गंज हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का अंतिम दिन

मित्रता हो तो कृष्ण सुदामा जैसी हो : कृष्ण चंद्र शास्त्री

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

जीवन में मित्र हो तो कृष्ण सा हो, आप मित्रता निभाएं तो कृष्ण जैसी निभाएं। अपने मित्र के सुख में सुखी होना मित्र को कष्ट में दु:खी होना सच्ची मित्रता की पहचान है। मित्रता हो तो कृष्ण सुदामा सी होनी चाहिए। यह बात गंज हनुमान मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिवस, श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुर जी महाराज ने व्यास मंच से कहीं।

अपार जनसमूह से भरे कथा पंडाल को संबोधित करते हुए कथा व्यास ने कृष्ण सुदामा की आत्मीय मित्रता को सुनाते हुए कहा कि कुछ लोगों ने उनका वर्णन ठीक ढंग से नहीं किया। भक्त सुदामा बड़े ही त्यागी, तपस्वी एवं भजनानंदी ब्राह्मण थे। वह निर्धन थे परंतु भीख नहीं मांगते थे। श्रीकृष्ण के नाम का निरंतर जाप करना ही उनका परम धन था। जो देव इच्छा से प्राप्त होता था, उसी से संतोषप्रद अपना जीवन निर्वाह करते थे। अपनी पत्नी सुशीला के कहने पर सुदामा श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका गए। अपने सबसे आत्मीय मित्र को अपने पास देखकर, उनका यथोचित सत्कार किया और ब्राह्मण मित्र को जब तिलक लगा रहे थे तब मित्र सुदामा के माथे की रेखा को पढ़ लिया जिसमें क्षय लिखा था। माथे पर क्षय का अर्थ था कि सुदामा के भाग्य में धन नहीं था। सामर्थ्यवान मित्र कृष्ण ने अपने मित्र सुदामा को बिना कुछ बताए माथे की रेखाओं में लिखे क्षय के आगे 'अ' लगाकर क्षय को अक्षय कर दिया और अपने मित्र सुदामा को ऐश्वर्य प्रदान किया। मित्रता ऐसे निभाई जाती है।

कथा के अंतिम दिवस श्री ठाकुर जी ने व्यास पीठ से हजारों माता बहनों को संबोधित करते हुए लव जिहाद पर कठोर प्रहार किया।

श्रीकृष्ण रुक्मणी विवाह का वर्णन करते हुए कहा कि यदि प्रेम करना है तो कृष्ण से करें। कृष्ण अकिंचन अविनाशी हैं। आजकल कुछ विधर्मी लोग, सनातनी नकल करके नकली नाम रख लेते हैं, तिलक लगा लेते हैं, कलावा बांध लेते हैं और भोली बेटियों को बहला फुसलाकर उनसे विवाह कर लेते हैं। इसके बाद जब सच्चाई पता चलती है तो उन बेटियों पर अत्याचार करते हैं। उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं। अनेकों बार तो बेटियों के शरीर के टुकड़े टुकड़े करके हत्याएं की जा चुकी हैं।

इसलिए सनातन की हर बेटी सतर्क रहें। इन विधर्मीयों से डरें ना, अपने भाइयों की मदद लें। सरकार भी इनको मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान करें।

कथा के समापन में गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी जी महाराज को सच्चा संत बताते हुए आयोजन की भूरी प्रशंसा की। गंज बासौदा को प्राचीन वासुदेव नगर बताते हुए इसे पुण्य भूमि बताया।

आज होगा विशाल नगर भंडारा

51 कुंडीय श्रीराम यज्ञ की पूर्णाहुति एवं श्रीमद् भागवत जी के समापन पर आज विशाल नगर भंडारा आयोजित होगा जिसके लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। भंडारे में लगभग 50 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है। संत त्यागी जी महाराज ने गंज बासौदा सहित आसपास के सभी क्षेत्रवासियों से भंडारे में सम्मिलित होने की अपील की है।

पेसा एक्ट समीक्षा : केसला ब्लॉक में लाभांवित हो रहा जनजातीय समुदाय

नर्मदापुरम. जिले में पेसा एक्ट एक मात्र केसला ब्लॉक में ही इस योजना को चलाया गया है कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं सीईओ प्रतीक राव के मार्गदर्शन में केसला ब्लॉक में पेसा एक्ट के क्रियान्वयन से जनजातीय समुदाय को अपने अधिकारों और स्थानीय स्वशासन के बारे में जागरूक किया जा रहा है और उन्हें अपनी ग्राम सभाओं के माध्यम से स्थानीय विकास और संसाधनों के प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिल रहा है। इसी तारतम्य में केसला ब्लॉक में भोपाल से श्री भागवत साथ ही श्री गौरव खरे द्वारा पेसा कार्य की जानकारी लेने ग्राम पंचायत सिलवानी की ग्राम सभा सिलवानी में जनपद अध्यक्ष गंगाराम कलमे पेसा मोबलाईजर एवं ग्राम सभा अध्यक्ष ग्राम सभा के सदस्यों से मुलाकात कर पेसा एक्ट के कार्यों के संबंध में विस्तरित रूप से चर्चा हुई। श्री भागवत ने बताया कि पेसा एक्ट के तहत, ग्राम सभा को कई अधिकार प्राप्त हैं, जैसे कि वन संपदा, जल संसाधनों का प्रबंधन, और गांव से पलायन रोकने जैसे मुद्दों पर निर्णय लेने का अधिकार। वहीं बैठक में उपस्थित जिला समन्वयक पैसा अरविंद धुर्वे ने कहा कि पेसा एक्ट के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, केसला ब्लॉक में कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है।

खापरखेड़ा में तालाब गहरीकरण कार्य कर दिया जल संरक्षण का संदेश

नर्मदापुरम. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रदेश भर में निरंतर जागरूकता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संभाग समन्वयक श्री कौशलेश प्रताप तिवारी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत खापरखेड़ा में जल चौपाल आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न ग्रामों सहलवाड़ा, सुरेला व सर्रा किशोर, पोंडी इत्यादि की प्रस्फुटन समितियों की सहभागिता रही एवं उसके उपरांत आगामी बरसात के मौसम में तालाब की जल धारण क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से गांव के प्राचीन तालाब में गहरीकरण का कार्य किया गया। इस मौके पर विकासखण्ड समन्वयक श्री दयाशंकर उमरे ने कहा कि - पृथ्वी पर भूजल सीमित मात्रा में उपलब्ध है यदि हम इसका लगातार उपयोग करते रहे तो एक समय ऐसा आएगा कि वह समाप्त हो जाएगा। अतः अब रेन वाटर हार्वेस्टिंग समय की मांग है।

सामाजिक संस्था ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का पुतला फूंका

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

पिछले कई महिने से जिला अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आलम है. और व्यवस्थाओं के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति दिखाई देती है. आए दिन गरीब मरीजों के साथ कोई ना कोई घटना घटती रहती है इसके बावजूद भी जिला प्रशासन द्वारा व्यवस्थाओं को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे. जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं के खिलाफ समाज सेवी संस्था श्री समर्पण संस्था ने जिला अस्पताल के सामने सीएमएचओ का पुतला दहन कर नारेबाज़ी की गयी.

बताया जाता है कि जब से सीएमएचओ दिनेश देहलवार ने जिले के सीएमएचओ के तौर पर कार्यभार संभाला है तब से लेकर आज तक जिले के संपूर्ण अस्पतालों में अव्यवस्था का माहौल है.हर जगह गंदगी ने अपना डेरा बना रखा है. ड्यूटी डॉक्टर और नर्स मरीजों और उनके परिजनों से अभद्र व्यवहार करते नजर आते हैं जिससे आए दिन विवाद की स्थिति अस्पताल में उत्पन्न होती है. इसके अलावा सीएमएचओ द्वारा कई विभागीय गलतियां की जाती है. अस्पताल में हाल ही में एक शव को कुत्ते द्वारा नोचने का मामला भी प्रकाश में आया है. जिसमें सीएमएचओ ने अपना बचाव करते हुए अपने अधीनस्थ लोगो को कारण बताओ

जिला अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्था, गंदगी तथा गरीब मरीजों से हो रहे दुर्व्यवहार पर जताया आक्रोश

बच्चे रोज स्कूल पहुंचें, पालकों-शिक्षकों की पहली जिम्मेदारी : विधायक हरिसिंह

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

आदर्श राष्ट्र और समाज का निर्माण शिक्षित और सभ्य समाज से होता है। इसलिए सरकार शिक्षा पर विशेष जोर दे रही है, नित्य नए नवाचारों को प्रोत्साहित कर रही है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के छोटे से गांव में हाई स्कूल की स्थापना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना है। जिससे पिछड़ी समाज विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके। जिससे आदर्श राष्ट्र और समाज का निर्माण हो सके।

प्रत्येक बच्चे को आंगनबाड़ी केंद्र और स्कूल भेजना हम सबकी प्रथम जिम्मेदारी है। जिसे ईमानदारी से निभाना हमारा मानवीय धर्म है। यह उद्गार गंजबासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने आदिवासी बाहुल्य ग्राम खजूरी में नवीन हाई स्कूल भवन के भूमि पूजन के दौरान व्यक्त किए। विधायक हरिसिंह रघुवंशी के अथक प्रयासों से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के एकीकृत शासकीय माध्यमिक विद्यालय खजूरी का उन्नयन कर नवीन हाई स्कूल किया गया था। एक वर्ष के अंदर नवीन हाई स्कूल शाला

भवन का निर्माण हो रहा है। एक करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से बनने वाले नवीन हाई स्कूल शाला भवन का भूमि पूजन गंजबासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह रघुवंशी ने भूमि पूजन कर शिलान्यास का अनावरण किया।

अतिथियों का प्राचार्य राजकुमार गौर, शिक्षक पंकज यादव, मनीष कपूर, नरेंद्र, जसवंत अहिरवार ने शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह से स्वागत किया। इसी दौरान शिक्षक पंकज यादव ने स्वागत भाषण दिया। जिसमें नवीन हाई स्कूल खजूरी को स्मार्ट व डिजिटल क्लास और फर्नीचर के लिए विधायक निधि से राशि की मांग की। जिसे विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने तत्काल स्वीकृति प्रदान की। विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कहा कि इस नवीन हाई स्कूल से लगभग एक दर्जन गांव के बच्चों को शिक्षा का लाभ मिलेगा। जिसमें खजूरी, पधार, नहारिया, साहबा, साहबा टापरा, शंकरगढ़, खोंगरा, मुड़री, देलवाड़ा, लेहदरा, बड़ाहार, लमन्या आदि ग्राम शामिल है। उल्लेखनीय है कि गंजबासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने 2010 में शासकीय प्राथमिक शाला खजूरी का उन्नयन कर माध्यमिक विद्यालय बनवाया था। इन्हीं विधायक के कार्यकाल में माध्यमिक विद्यालय का उन्नयन कर हाई स्कूल बनाया गया है। विधायक का ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। जिसमें ग्रामीणों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का पक्का वादा किया।

तेज गति से वाहन न चलाएं, क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं : हिदायत

गंजबासौदा. तहसील स्थित पटवारी सभाग्रह में यातायात परिवहन व्यवस्था को लेकर वाहन संचालकों के प्रतिनिधि एवं अधिकारीगण कर्मचारियों की संयुक्त बैठक एसडीएम विजय राय, एसडीओपी मनोज मिश्रा की उपस्थिति में आयोजित की गई है। जिसमें वाहन चालकों निर्देशित किया कि वे अपने वाहन के आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कराएं एवं वाहन संचालन के समय निम्नानुसार निर्देशों का पालन करें। वाहन के वैध प्रपत्र फिटनेस, बीमा, प्रदुषण प्रमाण-पत्र होने पर ही वाहन संचालन करें। वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी न बैठाएं। वाहन में सवारी निर्धारित स्थान पर ही चढ़ायें व उतारें। यात्रियों से किराया सूची अनुसार निर्धारित किराया ही वसूलें। वाहन चालक के पास वैध लायसेंस होने पर ही वाहन चलायें। निर्धारित गति से वाहन चलायें, तेज गति से नशे की हालत में या लापरवाही पूर्वक वाहन न चलायें।वाहन के चालक-परिचालक कार्य के दौरान निर्धारित वर्दी धारण करें। वाहन में तीव्र आवाज का हार्न/प्रेशर हार्न का उपयोग न करें। वाहन चलाने में आपस में प्रतिस्पर्धा न करें। सवारियों के सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करें। वाहन चलाते समय धुम्रपान न करें। यातायात संकेतों एवं नियमों का पालन करने के निर्देश दिये हैं उक्त बैठक में तहसीलदार, अतिरिक्त तहसीलदार, नायब तहसीलदार, दोनों थानों थाना प्रभारी, सूबेदार यातायात , नपा सीएमओ. जनपद सीईओ, विकासखंड अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर की रोक के बावजद छात्रावास के पास बने चील घर में पोस्टमार्डम शुरु

तेंदूखेड़ा. आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित आदिवासी छात्रावास के बाजू से प्रशासन द्वारा चील घर का निर्माण किया गया है जिसके विरोध में जय आदिवासी युवा शक्ति जयस द्वारा जिला कलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी तहसील तेंदूखेड़ा को ज्ञापन सौपा गया था इसके बाद भी प्रशासन द्वारा छात्रावास के बाजू से बना चील घर में पोस्टमार्डम का कार्य चालू कर दिया गया है जबकि पूर्व में जिला कलेक्टर द्वारा आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित आदिवासी छात्रावास के बाजू से बने चील घर पर आपति दर्ज कराई गई थी और उनके द्वारा कहा गया था कि किसी भी प्रकार में चील घर को चालू नहीं किया जाएगा इसके बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा उच्च अधिकारियों के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है और वर्तमान में पोस्टमार्डम का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया की सबसे बड़ी बात यह है कि प्रशासन द्वारा गलत तरीके से आदिवासी छात्रावास के बाजू से चील घर का निर्माण किया गया है जो गलत है जबकि पूर्व में आदिवासी समाज द्वारा इसमें आपत्ति दर्ज की गई थी ।

एसडीईआरएफ ने सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को सिखाए नागरिक सुरक्षा के गुर

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

वर्तमान समय में देश की बदलती आंतरिक एवं बाह्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सशक्त बनाने हेतु आज नर्मदापुरम स्थित होमगार्ड लाइन में 155 सिविल डिफेंस वॉलेंटियर का नामांकन कर विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। आयोजन कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें 155 सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रशिक्षण का नेतृत्व स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स (एस.डी.ई.आर.एफ.) टीम के प्रभारी श्रीमति अमृता दीक्षित शिवराज चौधरी द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, नागरिक सुरक्षा उपायों, हवाई हमले के उपरांत राहत एवं बचाव कार्यों तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने हेतु व्यवहारिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया।

जिला सेनानी श्री राजेश जैन एवं प्लाटून कमांडर होमगार्ड और हाबहृद्दद्द और टीम ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम वॉलंटियर्स को न केवल सजग एवं आत्मनिर्भर बनाते हैं, बल्कि उन्हें समाज सेवा के लिए एक सशक्त माध्यम भी प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षित वॉलंटियर्स किसी भी आपदा या संकट की घड़ी में प्रशासन के लिए एक मजबूत सहायक शक्ति के रूप में कार्य कर सकते हैं।

मेट्रो एंकर

सुंदरकांड के दोहे और चौपाइयों से जीता दिल

नौलखी मानस मंडल बना विजेता, मिला 31 हजार रुपए प्रथम पुरस्कार

गंजबासौदा , दोपहर मेट्रो

रामचरितमानस के सातों कांडों में से जनमानस में आस्था, श्रद्धा के साथ अति लोकप्रिय सुंदरकांड के दोहे और चौपाइयों को लेकर धार के अमझेरा में आयोजित हुई प्रतियोगिता में नगर के नौलखी मानस मंडल द्वारा दी गई शानदार प्रस्तुति के लिए विजेता के रूप में 31 हजार रुपए और स्मृति चिन्ह देकर प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के अलावा, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान सहित अन्य राज्यों के सात नामचीन मंडल सम्मिलित हुए थे। नौलखी मानस मंडल ने हजारों श्रोताओं के बीच सुंदरकांड के दोहे और चौपाइयों की व्याख्या सहित संगीतमय भक्ति भाव प्रस्तुति देकर ना केवल श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया बल्कि निर्णायक मंडल में शामिल संगीताचार्यो ने शानदार प्रस्तुति से प्रभावित होकर नौलखी मानस मंडल को प्रथम विजेता के रूप में चुना। मालूम हो कि धार जिले के अमझेरा में स्वर्गीय चंद्रशेखर शर्मा की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष संगीतमय सुंदरकांड पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जो कि पिछले 5 वर्षो से लगातार जारी है। प्रतियोगिता में देश वर्ष से ख्याति प्राप्त मानस मंडल प्रस्तुति के लिए पहुंचते हैं, मंचीय प्रस्तुति से पहले मंडल के कलाकारों की प्रस्तुति का चयन संगीत महाविद्यालय के संगीताचार्यो द्वारा किया जाता है। इस बार आयोजन में नगर के नौलखी मानस मंडल को भी आमंत्रित किया गया था। मंडल के प्रमुख शुभांशु झा ने बताया कि जिले और नगर के लिए गौरव की बात है। प्रतियोगिता में सात मंडलों ने भाग लिया था प्रत्येक मंडल को 45 मिनट में सुंदरकांड के नौ-नौ दोहों पर अपनी प्रस्तुति देना थी। उनके मंडल की पांचवें नंबर पर सुंदरकांड के नौ दोहे की व्याख्या सहित संगीतमय भक्ति भावपूर्ण प्रस्तुति से प्रभावित होकर निर्णायक मंडल ने सात मंडलों में से नौलखी मानस मंडल की प्रस्तुति को सराहनीय बताते हुए प्रथम विजेता के रूप में चुना। उनके साथ प्रस्तुति में दिनेश गन्धर्व वायलिन, नटराज पाटीदार पैड, गोपाल शर्मा तबला, कुलदीप राव की-बोर्ड, हेमंत शर्मा सह गायक के रूप में सम्मिलित थे।

क्लासिकल गायन में उभरता हुआ नाम है शुभांशु

कई मंचों पर दे रहे हैं प्रस्तुति संगीत के मंचों पर जब शुभांशु क्लासिकल गायन में अपनी प्रस्तुति देते है तो सुनने वाले उनकी प्रतिभा के कायल हो जाते हैं। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय से स्कूली शिक्षा ग्रहण करने के बाद ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर संगीत यूनिवर्सिटी से क्लासिकल गायन में एमए की डिग्री हासिल की है। क्लासिकल गायन के माध्यम से संगीत के क्षेत्र में नगर को नई पहचान देने वाले शुभांशु झा नगर के एक सामान्य मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे रामगोपाल झा के पुत्र हैं। मां की प्रेरणा से उन्होंने संगीत के क्षेत्र में कदम रखा और 14 वर्ष से वह संगीत की बारीकियां सीखते सीखते मंचीय प्रस्तुति दे रहे हैं। संगीत की शिक्षा उन्होंने संगीताचार्य अवधनारायण शर्मा से ली है जबकि नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहरदास जी महाराज के मार्गदर्शन प्रेरणा से वे अभी भी संगीत की बारिकियां सीख रहे हैं। कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वह गायन में प्रथम रहे हैं।

स्कूल में हुए घोटाले की शिकायत को लेकर जिलाधीश को दिया आवेदन पत्र

सिरोंज। विदिशा जिला कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी के नाम ग्रामीण वासियों द्वारा आवेदन पत्र सौंपकर पूर्व प्रभारी प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं आवेदन पत्र में उल्लेख है कि सिरोंज विकास खंड अंतर्गत आने वाले शासकीय हाईस्कूल कस्बाताल में 3 माह पूर्व हुए फर्जी हस्ताक्षर से स्स्ष्ट खाते से 72 हजार रुपए एवं शाला के स्थानीय मद से 1 लाख 27 हजार रुपए कुल मिलाकर एक वर्ष में 1 लाख 99 हजार रुपए के फर्जी बिल बाऊचर लगाकर प्रभारी प्राचार्य जगदीश साहू द्वारा शासकीय राशि का दुरुपयोग किया गया जबकि शासन द्वारा उक्त राशि शाला भवन के कायाकल्प द्वारा प्रदाय की जाती है जिससे कि ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों का कायाकल्प हो सके जिसे, लेकिन कभी कभी संकुल प्राचार्य जैसे जिम्मेदार पद पर ऐसे कर्मचारी नियुक्त कर दिए जाते है जो शासन का पैसा अपने निजी कार्यों में लगाकर बिल बाऊचर शासकीय कार्य के लगा देते है ऐसा ही एक मामला कस्बाताल के प्रभारी जगदीश साहू द्वारा किया गया एक ही वर्ष में 1 लाख 99 हजार रुपए खर्च कर दिए लेकिन स्कूल भवन की पुताई तक का कार्य इनके द्वारा 2 साल से नहीं कराया गया इस बात को बीते लगभग 3 माह हो चुके है और जिम्मेदार अधिकारी ऐसे भ्रष्ट कर्मचारियों को बचाने की जुगत में है आखिर कब तक शासन के पैसे का दुरुपयोग होता रहेगा क्या ऐसे कामचोरी के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारी कोई कठोर कार्यवाही करेंगे या सिर्फ हर बार की तरह कागजी लीपापोती ही होकर रह जाएगी।

एसडीएम की चेतावनी के बाद, लोक सेवा केंद्र में हुआ बदलाव

सिरोंज। तहसील कार्यालय में संचालित होने वाले लोकसभा केंद्र की सालों से पुताई नहीं होने के कारण इसकी हालत खराब हो रही थी साथ यहां पर कार्य करने वाले ऑपरेटर की जिम्मेदारी और उनके नाम की सूची नहीं थी लोक सेवा केंद्र से दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी संबंधित सूचना पटल नहीं था किस काम की कितनी शुल्क ली जा रही है उसकी सूची भी नहीं लगी ही थी साफ सफाई से लेकर पानी और बैठने के इंतजाम भी नहीं थे, इसकी पोल पिछल दिनों एसडीएम हर्षल चौधरी द्वारा किए गए लोक सेवा केंद्र के औचक निरीक्षण में खुली थी कामियों होने पर एसडीएम नाराजगी जताते हुए लोक सेवा केंद्र संचालकों तीन दिवस के अंदर व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे उनकी चेतावनी का धरातल पर असर भी हो हो गया केंद्र की पुताई भी हो ऑपरेटर के नाम काम के साथ लिखे गए शुल्क ओर सेवाओं की सूची भी लगा दी गई उपभोक्ताओं को बैठने की व्यवस्था के अलावा पानी के लिए कैंप पर भी रख दिए गए हैं। नहीं तो पहले यहां पर आने वाले उपभोक्ता परेशान होते थे। गढ़वाली करने वाले ऑपरेटर की पहचान भी नहीं हो पाती थी अब इनकी पहचान भी आसानी से हो जाएंगी।

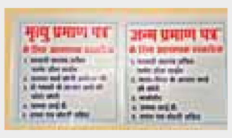

मृतको के परिजनों को आर्थिक मदद जारी

सिरोंज। विदिशा मृतको के परिजनो को आरबीसी 6(4) के प्रावधानो तहत आर्थिक सहायता जारी की गई है। शमशाबाद एसडीएम अजय प्रताप सिंह पटेल के द्वारा जारी स्वीकृति आदेश में उल्लेख है कि ग्राम अमरपुरा में कुंए पर नहाते समय डूब जाने से दो बच्चों की मृत्यु हो जाने पर मृतको के निकटतम परिजन को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता जारी की गई है। जारी आदेशानुसार ग्राम अमरपुरा निवासी मास्टर आर्यन शाक्य पुत्र बबलू शाक्य की मृत्यु कुंए में नहाते समय डूबने से होने पर मृतक के पिता बबलू शाक्य को चार लाख रूपए की तथा ग्राम अमरपुरा के ही मास्टर कार्तिक की भी मृत्यु नहाते समय कुंए में डूबने से हो जाने पर मृतक की मां निधि यादव पत्नि स्वर्गीय राकेश यादव को चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता जारी की गई है।

कांग्रेसियों ने मंत्री विजय शाह, डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा का जलाया पुतला

सिरोंज। शनिवार को नवीन बस स्टैंड पर सेना पर दिए बयान को लेकर मंत्री विजय शाह तथा जगदीश देवड़ा का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंका इनके बयान की घोर निन्दा करते हुए तत्काल मंत्रिमंडल से इस्तीफा लेकर करवाई की मांग करते हुए काफी देर तक नारेबाजी भी मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का पुतला ऑपरेशन सिंदूर की जांबाज़ बेटी को आतंकवादी की बहन बताना शर्मनाक है । जिस दौरान दोनों मंत्रियों का पुतला जलाया गया । इस दौरान सुरेश यादव, अशोक यादव, सुब्हान गौरी, सादिक कुरेशी, विनोद सेन मौजूद थे।

लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने कहा

कार्य में लापरवाही पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में शनिवार को लंबित आवेदनो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। कलेक्टर श्री गुप्ता की पहल पर विदिशा जिले के कुपोषित 1449 सेम बच्चों को गोद लेने के लिए किए जा रहे नवाचारो की जानकारियां पीपीटी की माध्यम से सांझा की गई। इस दौरान बतलाया गया कि क्यूआर कोड से चिन्हित बच्चों को कोई भी व्यक्ति अधिकारी गोद ले सकता है इसके लिए तीन माह तक पोषण संजीवनी किट प्रदाय की जानी है। एक माह की किट की कीमत एक हजार रूपए है।

विदिशा जिले को कुपोषण से विमुक्त कराने के लिए की जा रही नवाचार पहल के तहत कलेक्टर ने स्वंय बच्चे को गोद लेने की शुरूआत की और इस दौरान बतलाया गया कि उम्र के हिसाब से बच्चों की ऊंचाई और वजन होना चाहिए इसमें कमी पाए जाने पर सेम और मेम दो प्रकार के कुपोषित बच्चो का चिन्हांकन

किया जाता है। निश्चित आयु तक के कुपोषण होने से बच्चो के बौद्धिक और शारीरिक विकास में अवरूद्ध उत्पन्न हो जाते है और वे सामान्य बच्चों की तुलना में वे पीछे रह जाते है इसके लिए विशेष पोषण किट जिला प्रशासन की पहल पर तैयार कराई गई है जो कुपोषित बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा प्रदाय खाद्य सामग्रियों के अतिरिक्त होगी। इसी प्रकार एनआरसी में भर्ती होने वाले बच्चों के लिए मुहैया कराई जाने वाली सुविधा और पालको को योजनाओं के तहत प्रदाय की जाने वाली आर्थिक सहायता से अवगत कराया गया वहीं एनआरसी केन्द्रो में बच्चों को आवश्यक खिलौने भेंट करने के लिए अभिप्रेरित किया गया है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि टीएल में मार्क किए जाने वाले आवेदनो को विभागो के अधिकारी स्वंय देखे। अधीनस्थो के भरोसे ना रहें। उन्होंने कहा कि अलग-अलग आयोगो से, विधायक, सांसदो से प्राप्त होने वाले पत्रो का जबाव समय सीमा में सटीक उत्तर सहित भिजवाना सुनिश्चित करें

इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना हो का विशेष ध्यान जिलाधिकारी सुनिश्चित करेंगे। यदि त्रुटियां पाई गई तो अब दण्डात्मक कार्यवाही संबंधितो पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि आयोग का पत्र आना हम सबके कार्यो पर प्रश्नचिन्हांकित करता है कि हमने संबंधित आवेदक को शासन के मापदण्ड अनुसार योजना का लाभ नहीं दिया अथवा उसकी व्यक्तिगत या सार्वजनिक समस्या का समाधान नहीं किया है। अतः इस और सभी विभागो के अधिकारी विशेष ध्यान देंगे। आयोगो से प्राप्त होने वाले पत्रो का समय सीमा में प्रेषित करते हुए एक प्रति जिला कार्यालय के नोडल अधिकारी को भी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों की समीक्षा में कलेक्टर श्री गुप्ता ने विभागो के अधिकारियो को सचेत किया है कि प्रारंभिक स्थितियों में जिला प्रदेश स्तर की ग्रेडिंग सूची में दूसरे, तीसरे स्थान पर रहता है किन्तु धीरे-धीरे रैकिंग में गिरावट आने लगती है आज की स्थिति में प्रदेश में जिला नौवे स्थान पर है। उन्होंने प्रत्येक माह की 20 तारीख को जारी होने वाले प्रदेश स्तरीय ग्रेडिंग रैकिंग सूची में विदिशा जिला पिछड ना पाए इसके लिए सभी विभाग जिनके सीएम हेल्पलाइन लंबित है विशेष पहल करें ताकि अंतिम ग्रेडिंग सूची तिथि तक जिला टॉप फाइव में शामिल रहें।

अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर ने विभागो के अधिकारियों को स्पष्ट सचेत करते हुए कहा कि अब यदि ग्रेडिंग सूची में विदिशा पिछडता है तो संबंधित विभागो के खिलाफ फाइन लगाने की प्रक्रिया क्रियान्वित की जाएगी वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को जिलाधिकारियों के द्वारा निराकरण मामलो में बरती जा रही कोताही को रेखांकित करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही हेतु अनुशंसा की जाएगी।

कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोड़िया के अलावा संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, प्रशिक्षु डीएफओ श्री हिमांशु के अलावा विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी मौजूद रहें वहीं खण्ड स्तरीय अधिकारियो से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से संवाद किया गया है।

लटेरी अंतर्गत वन विश्राम गृह चंदेरी में हुआ चरवाहा सम्मेलन वन सुरक्षा कार्यशाला

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र लटेरी अंतर्गत वन विश्राम गृह चंदेरी में चरवाहा सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्मेलन कार्यक्रम वन सुरक्षा पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम में वन समिति सदस्य, अध्यक्ष एवं दुरांचल क्षेत्र से पधारे ग्रामीणजनो ने कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि चरवाहो के सर्वागींण विकास हेतु अनेक योजनाएं संचालित हो रही है इन सबका लाभ दिलाए जाने हेतु उन्होंने संबंधित विभागो के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि चरवाहे वन विभाग के मित्र है जो वन क्षेत्रो में भ्रमण कर प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से वन संपदा पर नजर रखें है किसी भी प्रकार की अवैध कटाई ना हो पाए इसके लिए चरवाहे प्रमुख सूत्रधार है। उन्होंने चरवाहो से अपील की कि वे अपने बच्चो को स्कूल जरूर भेंजे और शासन की जनकल्याणकारी , रोजगारमुखी योजनाओं का लाभ लेकर अपने जीवन में परिवर्तन लाए। योजनाओं की लाभ प्राप्ति में कहीं कोई दिक्कत आती है तो अविलम्ब अधिकारियों की जानकारी में लाएं।

वन मंडल अधिकारी हेमंत यादव द्वारा सभी लोगों को बताया गया कि वन भूमि में कटाई, अतिक्रमण, या वन भूमि के अंदर गैरवानकी कार्य करने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसलिए आप सभी अतिक्रमण करने का प्रयास न करें नहीं तो आप लोगों को मिलने वाली शासकीय योजनाओं पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

सभी रोजगार सहायक और सचिव को वन सुरक्षा पर केंद्रित करते हुए हितग्राही मूलक योजनाओ से जोड़ा गया। बताया कि आप लोगों के लिए वन विभाग द्वारा जो योजनाएं संचालित की जाती हैं उनका लाभ लिया जाए वनों से जो वनोपज निकलती है उसका संग्रहण किया जाए और उसे बाजार दर पर बेचा जाए जिससे आय के साधन बढ़ेंगे। और रोजगार का सृजन होगा वन विभाग द्वारा हर वर्ष की भांति तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य कराया जाता है जिसमें संग्रहण की 4000 प्रति मानक बोरा दर निर्धारित है। इसी प्रकार बांस मिशन के तहत बांस रोपण किया जाए।

कलेक्टर और डीएफओ द्वारा वनों के बीच बसे रायपुरा गांव का औचक निरीक्षण किया गया और वहां पर सभी ग्राम वासियों से बातचीत की गई उनसे उनके रोजगार के बारे में शिक्षा के बारे में और मूलभूत सुविधाओं के बारे में चर्चा की गई श्रीमान जी द्वारा बताया गया कि आप वनों को नुकसान ना पहुंचाएं और रोजगार के अन्य साधन देखें वनों से प्राप्त होने वाली वनोपज चिरौंजी, तेंदूपत्ता, महुआ, को बेचकर फायदा ले सकते हैं। पूरे कार्यक्रम एवं दौरा निरीक्षण के दौरान एसडीओ फॉरेस्ट वन परिक्षेत्र अधिकारी लटेरी, एसडीओपी पुलिस लटेरी, एसडीएम लटेरी, तहसीलदार लटेरी ,जनपद सीईओ लटेरी उपस्थित रहे।

लापरवाही : शादियों के सीजन में बेलगाम गति से दौड़ रहे वाहन

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर के मुख्य मार्गो से प्रतिदिन मालवाहक एवं ट्रैक्टर ट्रॉलियों में भरकर सवारियां ढोई जा रही हैं। मालवाहक एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बड़ी संख्या में सवारियां भरकर बेलगाम गति से वाहन दौड़ रहे हैं। जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। पूर्व में मालवाहकों एवं कृषि उपयोगी वाहनों से सवारियां होने पर कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं इसके बावजूद पुलिस विभाग द्वारा ऐसे वाहनों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। बताया जा रहा है कि ग्रामीण अंचलों से अधिकांश सवारियां माल वाहकों एवं ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से ही ढोर्ड जा रही है। जिसमें वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए भी इनका उपयोग किया जा रहा है। मुख्य मार्ग के व्यापारियों ने बताया बड़ी संख्या में मालवाहक वाहनों में सवारियां ठूंस-ठूंस के भरकर ले जाई जा रही हैं। कई बार तो 207-407 आदि में पीछे पार्टीशन करके भी सवारियां बैठाई जा रही हैं। इसके अलावा ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवारियां बैठाकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि मुख्य मार्ग से जब बड़ी संख्या में मालवाहकों से सवारियां गुजर रही हैं तो ग्रामीण अंचलों में स्थिति क्या होगी इसका अंदाज़ स्वयं ही लगाया जा सकता है। पूर्व में अंचलों में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से दुर्घटनाएं हुई हैं। मालवाहकों से भी सवारियां होने से कई मौत के बावजूद पुलिस विभाग द्वारा अंकुश नहीं लगाया जा रहा जिससे बेलगाम गति से मालवाहक एवं टेक्टर ट्रालियां सवारियां लेकर मार्गो से गुजर रहे हैं।

नगर परिषद का कचरा उड़कर पहुंच रहा प्लांटेशन में, अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

नगर से लगे खकरिया ,इमलीडोल मार्ग पर बने मिश्रित प्लांटेशन में इस समय गंदगी एवं कचरे काआलम बना हुआ है छैःवर्ष पहले बनाए गए मुख्य मार्ग पर बने मिश्रित प्लांटेशन में लगाए गए पौधों के आसपास गंदगी एवं पनिन्या ही नजर आ रही है इन पेड़ पौधों के पास कचरा एवं गंदगी नगर परिषद की मेहरबानी से पहुंच रही हैं पर सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि इस और वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे आपकी एक चिंगारी इस प्लांटेशन को बर्बाद कर सकती है मिश्रित प्लांटेशन में गंदगी पहुंचने का प्रमुख कारण नगर परिषद है इसमें सिर्फ प्लांटेशन से ही कुछ दूरी पर नगर परिषद का सारा कचरा फेंका जाता है गर्मी एवं हवा के चलते यह कचरा उड़ कर प्लांटेशन में पहुंच रहा है

नगर परिषद बनी कचरे का कारण

गंदगी को नगर परिषद के फेक जा रहे कचरे का कारण माना जा रहा है नगर परिषद जहां अपना कचरा फेकता है उसी से लगा वन विभाग का मिश्रित प्लांटेशन है गर्मी में चल रही हवाओं के कारण यह कचरा प्लांटेशन में पहुंच गया है जिसके कारण प्लांटेशन में जहां देखो वहां कचरा एव पन्नियां ही नजर आ रही है जिसके कारण किसी दिन एक छोटी सी चिंगारी एक बहुत बड़ा रूप लेकर इस प्लांटेशन में लगे पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं वन विभाग , और ना ही नगर परिषद का ध्यान इस ओर जा रहा है ज्ञात होगी लगभग 6 वर्ष पहले बने इस मिश्रित प्लांटेशन की देखेरेख में लापरवाही की जा रही जंगलों में स्वच्छ वातावरण रहे इसलिए इसकी देखरेख बहुत जरूरी है पर देख रही अभाव में जंगलों में नगर परिषद का कचरा पहुंच गया है जिसके कारण वहां का वातावरण दूषित हो गया है

6 वर्ष पूर्व बना था प्लाटेशन

यह प्लाटेशन वर्ष,2019 -20 मे बनाया गया हैं यह प्लाटेशन मिश्रित प्लाटेशन के नाम से जाना जाता हैं मुख्य मार्ग पर बनाये गये प्लाटेशन मे अनेक प्रजाति के पेड़ लगे हैं जो आकार मे भी काफी बड़े हो चुके हैं लेकिन नगर परिषद से पहुंचे कचरे से यह प्लाटेशन बड़ी मात्रा मे गंदगी फ़ैल गई है वन विभाग समय-समय पर पर्यावरण एवं पौधों की सुरक्षा के लिए शपथ लेते हैं पर्यावरण प्रेमीयो का कहना है कि क्या अधिकारी कर्मचारियों की यही शपथ है कि दिखावे एवं अभियान की तहत ही ऐसा कार्य किये जाए बाकी समय पर्यावरण एवं सुरक्षा से कोई लेना देना नहीं है इन्हीं लापरवाहियों के कारण कई बार गर्मियों में कई प्लांटेशन में आग लग जाती है और लापरवाही करने वाले अधिकारी कर्मचारीयो पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं होती ।

बहू को जलाने वाले जेठ को कोर्ट से सुनाई अजीवन करवास की सजा

सिरोंज । पेट्रोल डालकर अपनी बहू को जलाने वाले जेठ को अपर शास्त्र न्यायाधीश विजय कुमार पांडे ने आरोप साबित होने पर राजा भैया उर्फ लल्लू केवट निवासी ग्राम गरेंठ को आजीवन कारावास तथा दो हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया । शासकीय लोक अभियोजक मनीष वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 मार्च 2024 की सुबह ग्राम गरेंठा में पूजा केवट अपने घर पर सब्जी बना रही थी उसकी सास कलाबाई गोबर कर रही थी एवं जेठ राजा भैया दरवाजे पर खड़ा होकर बीड़ी पी रहा था पूजा का पति वीरान खेत में पानी देने गया था इसी समय राजा भैया केवट कमरे से पेट्रोल लेकर आया और पूजा पर डालकर आग लगा दिया उक्त घटना में पूजा बुरी तरह जल गई थी उसकी सास कलाबाई ने उसे बचाया वहां भी झुलस गई जल गई थी आरोपी राजा भैया घटना को अंजाम देकर मौके से भग गया पेट्रोल के कारण कमरे में अंदर रखा सामान में भी आग लग गई थी उक्त घटना के बाद गांव वालों ने 100 डायल को सूचना देकर पुलिस बुलाई थी जाली पूजा को सिरोंज के अस्पताल में भर्ती कराया था जहां से उसे हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया था।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

अपर शास्त्र न्याधीश विजय कुमार पांडे ने कुल्हाड़ी से हमला करके हत्या को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों पर आरोप सिद्ध होने पर आजीवन कारावास की सजा तथा दो,दो हजार रुपए के अर्थ दंडित से भी किया है। इस घटना को आरोपी मुकेश अहिरवार एवं सहयोगी लेखराज अहिरवार निवासी वार्ड नंबर 17 राणापुर पंचकुइया ने मिलकर की थी न्यायाधीश गवाहों के बयान साक्ष्यों तथा 5 साल तक चले मामले में फैसला सुनाते हुए अपर सत्र न्यायाधीश ने आरोपियों को आजीवन कारावास एवं दो दो हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है । इसके बाद आरोपी मुकेश अहिरवार एवं लेखराज अहिरवार को उप जेल लटेरी भेज दिया गया है। शासकीय लोक अभियोजक मनीष वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि 20 मई 2021 को अनीता वाई पत्नी अमर सिंह निवासी राणा पर वार्ड नंबर 17 सिरोंज ने अपनी देवरानी रूपवती देवर प्रकाश बाबू अहिरवार के साथ थाना सिरोंज में रिपोर्ट की रात्रि 8-30 बजे की बात है कि मेरे देवर प्रकाश बाबू के यहां लेखराज एवं चंद्रशेखर अहिरवार दूध लेने के लिए गए थे इनका आपसी विवाद मेरे देवर प्रकाश बाबू से विवाद हो गया था इसी बात को लेकर मेरे भांजे राहुल अहिरवार करीब 10 ,30 बजे मेरे घर के पास से निकल रहा था उसी समय राहुल ने लेखराज अहिरवार, चंद्रशेखर अहिरवार ,मुकेश अहिरवार से र पूछा कि तुम लोग मेरे मामा प्रकाश बाबू से क्यों झगड़ा किया इसी बात पर से लेखराज, चंद्रशेखर, मुकेश अहिरवार राहुल को गंदी-गंदी गालियां देने लगे उसने गालियां देने से मना किया तो लेखराज ,चंद्रशेखर ने पकड़ लिया और मुकेश अहिरवार ने कुल्हाड़ी से राहुल के सिर में मारी इसके बाद खून निकलना लगा मैंने बा मेरी देवरानी रूपवती ने राहुल को बचाया तो लेखराज चंद्रशेखर मुकेश बोल आज तो बच गया किसी दिन जान से मार डालूंगा गंभीर हालत में राहुल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा दिया पुलिस ने आरोपियों पर धारा 294, 323, 506 एवं 34 आईपीसी का अपराध पंजीकृत किया गया था इलाज के दौरान भोपाल में मृत्यु हो हो जाने के बाद धारा 302 का इजाफा किया गया । मामले में आरोपी चंद्रशेखर अहिरवार की मृत्यु फांसी लगाने की वजह से हो गई थी । इस कारण से दो आरोपियों को ही सजा से दंडित किया गया है।

टीम इंडिया का इंग्लैंड दौरा 20 जून से, टीम चयन से पहले 6 बड़े सवालों के जवाब

गिल-बुमराह में कौन होगा कप्तान, नंबर तीन पर खेलेंगे सुदर्शन?

मुंबई, एजेंसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास की वजह से भारतीय टीम में दो स्थान रिक्त हो गए हैं। इन दोनों का संन्यास उस समय आया जब अगले महीने भारत को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है। इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से चार अगस्त के बीच होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (2025-27) के लिहाज से काफी अहम है। इसके लिए टीम का चयन जल्द होने वाला है, लेकिन उससे पहले कुछ ऐसे सवाल हैं, जिन पर फैंस और चयनकर्ता जरूर सोच विचार कर रहे होंगे। आइए उन सवालों और उसके उत्तर के बारे में जानते हैं, जिन पर अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति 19 मई को बैठक करेगी और भारतीय क्रिकेट के नए युग में प्रवेश करने पर चर्चा करेगी।

कौन बनेगा कप्तान?– शुभमन गिल कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे हैं, लेकिन जसप्रीत बुमराह भी रेस में हैं। कुछ लोग यह भी मानते हैं कि केएल राहुल इस रेस में वाइल्डकार्ड एंट्री हो सकते हैं। गिल (25) को उनके साथियों, चयनकर्ताओं और भारत के कोचिंग स्टाफ से समर्थन मिला है। उनका मानना है वह एक शांत और भरोसेमंद खिलाड़ी के रूप में विकसित हो रहे हैं। भले ही विदेशों में उनकी बल्लेबाजी अभी भी चिंता का विषय है, लेकिन वह सीख रहे हैं। हर कोई इस बात से सहमत है कि गिल में विकसित होने और लंबे समय के लिए कप्तान बनने के सभी गुण हैं। दूसरी ओर बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खुद को बतौर कप्तान साबित किया था। उन्होंने आगे बढ़कर लीड किया था। इतना ही नहीं, उन्हें अपने खिलाड़ियों से सम्मान हासिल है।

यशस्वी का ओपनिंग पार्टनर कौन होगा?

ऑस्ट्रेलिया में राहुल की बतौर ओपनर सफलता ने रोहित को मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए मजबूर किया। ऐसे में वह इंग्लैंड दौरे पर भी यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करने के लिए रेस में सबसे आगे होंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए राहुल को मध्यक्रम के लिए चुना गया था, लेकिन रोहित की पहले टेस्ट में गैरमौजूदगी ने राहुल के लिए ओपनर का रास्ता खोल दिया। राहुल ने इंग्लैंड में सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छे स्कोर बनाए हैं। हालांकि, यह संभावना भी है कि कोहली के जाने के बाद मध्यक्रम को मजबूत करने के लिए उनके जैसे अनुभवी कंधों पर जिम्मेदारी सौंपी जाए। इंग्लैंड दौरे पर जिन बल्लेबाजों के चुने जाने की उम्मीद है उनमें राहुल सबसे अनुभवी हैं। उन्होंने वहां दो सीरीज खेली हैं और नौ टेस्ट खेले हैं, पहली 2018 में और फिर 2021-22 में। इसमें से एक को छोड़कर सभी में ओपनिंग की है। नौ टेस्ट में उन्होंने 37.31 की औसत से दो शतक सहित 597 रन बनाए हैं। अभिमन्यु ईश्वरन और बी साई सुदर्शन सलामी बल्लेबाज के रूप में अन्य पसंदीदा खिलाड़ी हो सकते हैं या रिजर्व सलामी बल्लेबाज के रूप में दौरे पर जा सकते हैं।

कोहली की जगह पर कौन?

चेतेश्वर पुजारा ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा था कि मौजूदा समय में नंबर-4 पर बल्लेबाजी के लिए कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं है। कोहली ने 2013 में सचिन तेंदुलकर से नंबर चार की पोजिशन ली थी। उससे पहले कोहली छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे, लेकिन धीरे-धीरे कोहली ने उस स्लॉट को अपना बना लिया। इसके बाद कोहली ने साबित किया कि जब तक आपके पास प्रतिभा है तब तक उस क्रम पर बल्लेबाजी का अनुभव मायने नहीं रखता। मौजूदा समय में राहुल और गिल उस पद के लिए शीर्ष दावेदार हो सकते हैं।

क्या नीतीश रेड्डी के लिए टीम में जगह है?

नीतीश रेड्डी 2024-25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे। इतना ही नहीं एमसीजी में पहला टेस्ट शतक बनाया था। रेड्डी, ईश्वरन और हर्षित राणा उस दौरे पर तीन अनकैप्ड पिक्स थे। ऑलराउंडर के रूप में चुने गए रेड्डी ने अपनी जुझारू बल्लेबाजी के लिए सुर्खियां बटोरी, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि वह गेंदबाज के रूप में खरे नहीं उतरे। हालांकि, इंग्लैंड में अगर रेड्डी को पिच से मदद मिलती है तो वह चौथे पेसर की भूमिका निभा सकते हैं। वहीं, शार्दुल ठाकुर ने भी रणजी में शानदार गेंदबाजी कर अपना दावा मजबूत किया है। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से अपना कौशल दिखाया। वह एक और विकल्प हो सकते हैं जिस पर चयनकर्ता गेंदबाजी ऑलराउंडर या एक रिजर्व के रूप में विचार कर सकते हैं। 33 वर्षीय शार्दुल ने इंग्लैंड में अपने 11 टेस्ट में से चार खेले हैं। इसमें 2023 में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल हार भी शामिल है।

तेज गेंदबाजों में किसका चयन?

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बड़े तेज गेंदबाजी पूल की जरूरत है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि बुमराह और मोहम्मद शमी की फिटनेस समस्या है। यह लगभग तय है कि दोनों सभी पांचों टेस्ट नहीं खेलेंगे। इन दोनों और मोहम्मद सिराज के अलावा तेज गेंदबाजों में एम प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, मुकेश कुमार, हर्षित राणा को दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा खलील अहमद, अर्शदीप सिंह और यश दयाल की बाए हाथ की तिकड़ी भी दावेदार है।

क्या कुलदीप के लिए टीम में कोई जगह है?

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बीच में आर अश्विन के संन्यास के बाद यह भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी। चयनकर्ताओं के रवींद्र जडेजा के अलावा टीम में कम से कम एक स्पिनर को शामिल करने की संभावना है। वॉशिंगटन सुंदर एक विकल्प हैं। उन्होंने पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ गजब की गेंदबाजी की थी। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुछ खास नहीं कर पाए थे। वहीं, सवाल यह है कि क्या चयनकर्ता कुलदीप यादव के नाम पर विचार करेंगे जो हर्निया की सर्जरी के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं गए थे? कुलदीप ने घर पर इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 2023-24 सीरीज में 4-1 से जीत में सफलता हासिल की थी। वह 19 विकेट के साथ संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। कुलदीप ने हाल फिलहाल में दिखाया है कि वह सभी परिस्थितियों में मैच विजेता हो सकते हैं। पिछले दो वर्षों से वह टीम इंडिया के सबसे महत्वपूर्ण स्पिनर बने हुए हैं। कुलदीप ने 13 टेस्ट में 22.16 की औसत से 56 विकेट ले चुके हैं। उनका स्ट्राइक रेट 37.3 का है, जो टेस्ट में कम से कम 50 विकेट लेने वाले स्पिनरों में सर्वश्रेष्ठ है।

आज आईपीएल में, डीसी की भिड़ंत होगी जीटी से

प्लेऑफ की उम्मीदों को जीवंत रखने की कोशिश करेगी दिल्ली कैपिटल्स

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण अपने पिछले मैच के अचानक स्थगित होने का झटका झेलने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम रविवार को यहां आईपीएल तालिका में शीर्ष पर चल रहे गुजरात टाइटन्स से भिड़ेगी तो उसकी कोशिश गेंदबाजी की चिंताओं को दूर करने और फिर से एकजुट होने की होगी जिससे कि प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को जीवंत रख सके। दिल्ली ने अपने पिछले पांच मैच में तीन गंवाए हैं और एक मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा। धर्मशाला में दिल्ली का पिछला मुकाबला जम्मू और पठानकोट में हवाई हमले की चेतावनी के बाद बीच में ही रद्द कर दिया गया था जिसके बाद लीग को एक सप्ताह के लिए निलंबित कर दिया गया था।

टूर्नामेंट फिर से शुरू किया जा रहा है लेकिन कई विदेशी खिलाड़ी अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए वापस नहीं आ रहे जिससे फ्रेंचाइजी को अपनी टीम में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ा। दिल्ली की टीम अभी 11 मैच में 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। टीम को उस समय बड़ा झटका लगा जब शीर्ष तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने बाकी सत्र के लिए वापस नहीं लौटने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया का यह बाएं हाथ का तेज गेंदबाज 14 विकेट लेकर मौजूदा सत्र में अब तक टीम का सबसे सफल गेंदबाज है और उनकी अनुपस्थिति दिल्ली के लिए बड़ा झटका है। अक्षर पटेल की अगुआई वाली टीम ने घरेलू मैदान पर निराशाजनक प्रदर्शन किया है। इस सत्र में अरुण जेटली स्टेडियम में उसे सिर्फ एक जीत मिली है और वह भी सुपर ओवर के जरिए। दिल्ली और गुजरात की टीम जब पिछली बार 19 अप्रैल को भिड़ी थीं तो टाइटंस ने जोस बटलर की 54 गेंद पर 97 रन की पारी से 200 से अधिक के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सात विकेट से जीत दर्ज की थी।

फाफ डु प्लेसी की वापसी से दिल्ली को मिलेगी मजबूती

अनुभवी सलामी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसी की वापसी से दिल्ली को मजबूती मिलेगी। टीम को साथ ही उम्मीद होगी कि अभिषेक पोरेल और करुण नायर की मौजूदगी वाला शीर्ष क्रम हाल के संघर्षों से उबरकर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करेगा। दिल्ली ने सलामी बल्लेबाज के रूप में नायर के साथ प्रयोग किया था लेकिन यह कदम उल्टा पड़ गया क्योंकि वह सनराइजर्स के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए। डु प्लेसी और पोरेल भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे हैं।

गुजरात 16 अंकों के साथ शीर्ष पर

गुजरात की टीम 11 मैच में 16 अंक के साथ शीर्ष पर है। जोस बटलर और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबादा टीम से दोबारा जुड़ गए हैं। इंग्लैंड के बटलर हालांकि राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के कारण चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ गुजरात के अंतिम लीग मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। शुभमन गिल, बी साई सुदर्शन और बटलर की मौजूदगी में टाइटन्स का शीर्ष क्रम मजबूत है। ये सभी मौजूदा सत्र में 500 रन का आंकड़ा पार कर चुके हैं।

पंजाब की नजरें प्ले ऑफ पर: अंतिम घरेलू मैच में प्रतिष्ठा बचाने उतरेगा आरआर

जयपुर। पंजाब किंग्स की टीम रविवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक और शानदार प्रदर्शन के साथ प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। रॉयल्स की टीम मौजूदा सत्र में अच्छे खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद औसत प्रदर्शन भी नहीं कर पाई है। एक सप्ताह के ब्रेक के बाद सवाई मानसिंह स्टेडियम में वापसी करते हुए श्रेयस अय्यर की टीम आठ मई के उस बुरे सपने को भूलने की उम्मीद करेगी जब भारत-पाकिस्तान संघर्ष के कारण धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल के खिलाफ उनका मैच रद्द करना पड़ा और खिलाड़ियों को अंधेरे में अपने ड्रेसिंग रूम में लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा था। पंजाब की टीम 11 मैच में 15 अंक के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस टीम में फिर से शामिल होने के लिए सहमत हो गए हैं लेकिन वे आईपीएल के बहाल होने के बाद पंजाब के पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे जिससे टीम को अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका द्वारा वापस बुलाए गए तेज गेंदबाज मार्को यानसेन की अनुपस्थिति पंजाब की टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाएगी क्योंकि उन्होंने मौजूदा सत्र में 11 विकेट चटकाकर काफी प्रभाव डाला था। हालांकि पंजाब के पास कप्तान अय्यर, सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिह और नेहल वढेरा की मौजूदगी में भारतीय खिलाड़ियों का एक मजबूत दल है और भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद विदेशी खिलाड़ियों के जाने के बावजूद टीम पर अधिक असर नहीं पड़ा है।

दोहा में नीरज चोपड़ा ने रचा इतिहास

भाला फेंक खिलाड़ी को इस सत्र में 90 मीटर के और थ्रो की उम्मीद

दोह, एजेंसी

डाइमंड लीग में नीरज चोपड़ा के लिए प्रदर्शन 'खट्टा-मीठा' रहा क्योंकि वह आखिरकार 90 मीटर या इससे अधिक का थ्रो करने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गए लेकिन उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। ग्रोइन की चोट लगभग ठीक होने के साथ इस स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को इस सत्र में 90 मीटर से अधिक के और थ्रो करने की उम्मीद है। दोहरे ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय नीरज ने तीसरे प्रयास में भाले को 90.23 मीटर तक पहुंचाया और 90 मीटर या इससे अधिक करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए जिसकी अगुआई उनके वर्तमान कोच चेक गणराज्य के जान जेलेजनी कर रहे हैं। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे एशियाई और कुल मिलाकर 25वें खिलाड़ी बने।

हालांकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने बाजी पलट दी और अपने छठे और अंतिम थ्रो में 91.06 मीटर के प्रयास के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीता। अपने कंधों से बोझ उतरने के बाद नीरज ने कहा कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है और प्रशंसक इस साल उनसे 90 मीटर की और थ्रो की उम्मीद कर सकते हैं। अब आत्मविश्वास से भरे और चोट मुक्त नीरज जेलेजनी के मार्गदर्शन में कुछ पहलुओं को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पिछले साल नवंबर में जेलेजनी को नीरज के कोच के रूप में नियुक्त किया गया था लेकिन इस दिग्गज भारतीय खिलाड़ी ने कहा कि वे फरवरी से ही साथ काम कर रहे हैं। नीरज ने स्पर्धा के बाद कहा, मैं 90 मीटर के प्रयास से बहुत खुश हूं लेकिन यह असल में थोड़ा खट्टा-मीठा अनुभव है। लेकिन कोई बात नहीं मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ काम करना शुरू किया था। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

रेड कॉर्पेट से से शेयर की खूबसूरत तस्वीरें

मिशन इंपॉसिबल 8 की स्क्रीनिंग पर लंदन पहुंची अवनीत कौर, दिखाए हुस्न के जल्वे

बॉलीवुड अभिनेत्री अवनीत कौर हाल ही में लंदन में टॉम क्रूज की फिल्म मिशन इम्पॉसिबल- द फाइनल रेकनिंग के प्रीमियर में शामिल हुईं। इसके बाद अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर रेड कार्पेट से अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं हैं। अवनीत के फैंस ने भारतीय टेलीविजन से लेकर हॉलीवुड पहुंचने तक उनके सफर की तारीफ की है।

लंदन में अवनीत ने दिखाए जलवे– फिल्म के प्रीमियर के दौरान अवनीत कौर ने गोल्डन ड्रेस पहनी हुई थी, जो उन पर काफी जच रही थी। तस्वीरों को शेयर करते हुए अवनीत ने लिखा लंदन में मिशन इम्पॉसिबल द फाइनल रेकनिंग के प्रीमियर के रेड कार्पेट पर।

अवनीत कौर ने टॉम क्रूज को सिखाई हिंदी– हाल ही में हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज और अवनीत कौर का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हुआ। वीडियो में टॉम क्रूज ने भारत की तारीफ की। टॉम ने अवनीत से हिंदी भी सीखी। टॉम क्रूज ने भारत की तारीफ की और भारतीय फिल्म उद्योग में काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्हें फिल्म से अपने संवाद को हिंदी में दोहराते हुए भी सुना गया।

टॉम क्रूज ने कहा- भारत से है प्यार

अवनीत कौर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया जिसमें टॉम क्रूज को ये कहते हुए सुना जा सकता है हैलो इंडिया। मैं तुमसे प्यार करता हूं! फिर अवनीत ने उन्हें हिंदी में एक मुहावरा सिखाया। इसे दोहराते हुए क्रूज ने कहा मैं आप सबसे बहुत प्यार करता हूं। दूसरे वीडियो में वह हिंदी में अपने मशहूर संवाद को दोहराते हुए भी नजर आए। उन्होंने कहा मुझ पर भरोसा करो, एक आखिरी बार।

भारत में मिला प्यार

आपको बता दें टॉम क्रूज की एक्शन से भरपूर फिल्म मिशन इम्पॉसिबल- द फाइनल रेकनिंग अमेरिका से लगभग एक हफ्ते पहले भारत में रिलीज हो गई है। फिल्म को भारत में खूब प्यार मिल रहा है। पहले ही दिन टॉम क्रूज की फिल्म मिशन इम्पॉसिबल- द फाइनल रेकनिंग ने भारत में लगभग 17.50 करोड़ की कमाई कर ली।

खुद को जिहादी कहे जाने पर बोले जावेद - नर्क चला जाऊंगा पर पाक नहीं

गीतकार और लेखर जावेद अख्तर अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। अब गीतकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान पर जोरदार हमला किया है। इस बयान से जावेद एक बार फिर से मीडिया में चर्चा का विषय बन गए हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग उन्हें गालियां देते हैं और पाकिस्तान चले जाने के लिए बोलते हैं। इस पर लेखक ने करारा जवाब दिया है।

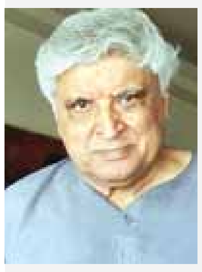

लेखक और गीतकार जावेद अख्तर हाल ही में मुंबई में राजनेता संजय राउत की किताब हेवन इन हेल के विमोचन कार्यक्रम में पहुंचे थे। उस कार्यक्रम के दौरान गीतकार ने एएनआई से बातचीत में कहा, मेरे ट्वीट को देखिए, इसमें बहुत सारी गालियां हैं, मुझे दोनों तरफ से गालियां आती है, बहुत से लोग मेरी तारीफ करते हैं, लेकिन यह सच है कि दोनों तरफ के लोग मुझे गाली देते हैं। इधर का कट्टरपंथी भी गाली देता है और उधर का भी। यह हकीकत है। अगर उनमें से कोई भी गाली देना बंद कर दे, तो मुझे चिंता होगी कि मैं क्या गलती कर रहा हूं।' आगे बातचीत में जावेद अख्तर ने अपने बेबाक अंदाज में कहा, 'एक तरफ कुछ लोग कहते हैं कि तुम काफिर हो और नर्क में चले जाओ। वहीं, दूसरी तरफ कहते हैं कि तुम जिहादी हो और पाकिस्तान चले जाओ। 'अगर मुझे पाकिस्तान या नर्क में से कोई एक चुनने का मौका मिले, तो मैं नर्क जाना पसंद करूंगा।'

अनुपम खेर ने दिखाई फिल्म तन्वी द ग्रेट की स्टारकास्ट, लिखा- बाकी लोग हमारे साथ हैं

अभिनेता अनुपम खेर अपनी आने वाली फिल्म तन्वी द ग्रेट को लेकर उत्साहित हैं। कान फिल्म फेस्टिवल में उनकी फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर हुआ। ऐसे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अनुपम खेर ने एक पोस्ट साझा की है। पोस्ट में एक वीडियो है। इस वीडियो में वह लोग नजर आ रहे हैं जिन लोगों ने फिल्म में अभिनय किया है।

अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर जो वीडियो शेयर की है उसमें देखा जा सकता है कि वह खुद, शुभांगी दत्त, बोमन ईरानी, करण टैकर और पल्लवी जोशी नजर आ रही है। वीडियो के कैप्शन में अनुपम खेर ने लिखा है बाकी लोगों को हमने मिस कर दिया है। कान फिल्म फेस्टिवल में तन्वी द ग्रेट। हम जानते हैं कि आप हमारे साथ हैं। हम उन्हें जल्द ही स्क्रीन पर देखेंगे। जय हो।

इससे पहले अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा था आज 17 मई है। आज शाम कान फिल्म फेस्टिवल में मेरी फिल्म तन्वी द ग्रेट का वर्ल्ड प्रीमियर है। इस फिल्म की कहानी आपको पता लगेगी। मैंने सोचा कि मैं वह कहानी बनाऊं जिसे पहले मैं महसूस करूं। आज के दौर में दिल से निकली हुई फिल्म बनाना बहुत मुश्किल है।

अभिनेता ने की अपनी फिल्म की तारीफ

इस वीडियो के कैप्शन में अभिनेता ने लिखा था तन्वी द ग्रेट तूफानों के बारे में नहीं है। यह उनसे पार पाने के बारे में है। यह किसी और को अपनी परेशानी से प्रभावित न होने देने के बारे में है। यह अपने आप पर अपने विश्वास को परखने के बारे में है। यह आशावाद और उम्मीद के बारे में है। यह अराजकता के बीच अपना रास्ता खोजने के बारे में है। आपको बता दें कि फिल्म तन्वी द ग्रेट बॉलीवुड की ड्रामा फिल्म है। इसे अभिनेता अनुपम खेर ने निर्देशित किया है। इसके निर्माता भी वही हैं। फिल्म में अनुपम खेर, शुभांगी दत्त ने अहम किरदार निभाया है।

देर रात दंपती ने मचाया उत्पात, पत्थर से कार के सभी कांच तोड़े, बाइक और एक्टिवा को नुकसान पहुंचाया

खेत की बटाई के पैसों का विवाद, कार-एक्टिवा और बाइक में तोड़फोड़

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

स्टेशन बजरिया थाना क्षेत्र स्थित करारिया फार्म में खेत की बटाई के पैसे लेने पहुंचे दंपती ने खेत मालिक से गालीगलौज करते हुए घर के बाहर खड़ी कार और एक्टिवा में तोड़फोड़ कर दी। तोड़फोड़ में खेत मालिक के वाहनों में पचास हजार रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस ने खेत मालिक की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ गाली गलौज और तोड़फोड़ की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार जगदीश भार्गव (40) किड्स केयर स्कूल के सामने एयरटेल टॉवर के पास करारिया फार्म, स्टेशन बजरिया में रहते हैं और पंडिताई का काम करते हैं। शुक्रवार देर रात करीब 12 बजे वह घर पर थे। इस दौरान उनके खेत का बटाईदार दीपक यादव अपनी पत्नी पिकी यादव के साथ उनके घर के सामने पहुंचा। वह बटाई के पैसे मांगते हुए गालीगलौज करने लगा। दरअसल, जगदीश भार्गव को बटाईदार दीपक यादव को 60 हजार रुपए देने है। जगदीश घर से बाहर नहीं निकले। वह खिड़की से देख रहे थे, तभी दीपक यादव व उसकी पत्नी पिंकी यादव ने घर के सामने खाली प्लाट में खड़ी उनकी कार का कांच हाथ से तोड़ रहा था। कांच हाथ में लगने से दीपक के हाथ से खून निकलने लगा तो उसने पास ही पड़ा पत्थर उठाया और कार के सभी कांच तोड़ दिया। बोनट पर भी पत्थर मारे थे। जाते समय आरोपी ने उनकी बाइक और एक्टिवा को भी धक्का देकर गिरा दिया। तीनों वाहनों में तोड़फोड़ होने से जगदीश को करीब 50 हजार रुपए का नुकसान हुआ है।

हूटर लगी कार ने किसान की कार को मारी टक्कर

भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित निंबस आर्केड के पास हूटर लगी तेज रफ्तार कार ने किसान की कार को टक्कर मार दी। किसान ने कार का पीछा किया, लेकिन कार का चालक तेजी से कार चलाते हुए भाग निकला। पीछा करते समय उन्होंने कार का नंबर देख लिया था। इसके बाद पुलिस को शिकायत की। पुलिस के अनुसार महेन्द्र पाटीदार पिता (36) ग्राम झरखेड़ा, दोराहा, सीहोर में रहते हैं। उनका शाहपुरा में भी फ्लैट है। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह खेती किसानी करते हैं। शुक्रवार रात करीब पौने 9 बजे अपनी कार से अपने दोस्त जोसफ फिलिप व प्रमोद पाटीदार के साथ त्रिलंगा से कोलार जा रहे थे। कार वह खुद चला रहे थे। निंबस आर्केड के सामने ओरा माल के पास पहुंचते ही उनकी कार के पीछे से एक कार आई। जिसकी नंबर प्लेट पर मप्र शासन लिखा था और हूटर लगा था। कार के चालक ने तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाकर लाया उनकी कार को दाहिने तरफ से टक्कर मारते हुए भाग निकला।

महिला और उसकी बेटी रानी कमलापति स्टेशन से पहुंची थी अपने घर

महिला के सूटकेस से साढ़े 3 लाख के जेवर चोरी पुलिस को संदेह - ट्रेन या ऑटो में हुई वारदात

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कमला नगर पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। महिला ने शिकायत करते हुए बताया कि वह रिश्तेदार के घर मुंडन कार्यक्रम मर्ग थी। रेवांचल एक्सप्रेस से सतना से भोपाल लौटी महिला के सूटकेस से अज्ञात बदमाश ने साढ़े 3 लाख रुपए के सोने के जेवर चुरा लिए। घटना की जानकारी उस समय लगी, जब शुक्रवार दोपहर महिला ने घर पर सूटकेस खोलकर देखा। पुलिस संदेह के आधार उस ऑटो चालक की तलाश की जा रही है, जिसमें महिला और उसकी बेटी रानी कमलापति स्टेशन से अपने घर अंबेडकर पहुंची थी।

ऑटो में पहले से सवार थे दो-तीन लोग

पुलिस के अनुसार एस-334 अंबेडकर नगर निवासी दुर्गा देवी (55) गृहणी हैं। पिछले दिनों वह मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने सतना में रहने वाले रिश्तेदार के घर गई थीं। शुक्रवार 16 मई की सुबह करीब साढ़े पांच बजे दुर्गा देवी रेवांचल एक्सप्रेस से सतना से रानी कमलापति स्टेशन उतरी थीं। उनके साथ उनकी बेटी व छोटी नातिन भी थी। ऑटो लेने के लिए वे लोग सांची दूध डेयरी के पास वाले आउटर पर पहुंचे थे। काफी देर बाद एक शेयरिंग ऑटो उन्हें अबंडेकर नगर ले जाने के लिए तैयार हो गया। ऑटो में पहले से दो-तीन लोग सवार थे। जगह न होने की वजह से ऑटो चालक ने एक व्यक्ति को अपने पास आगे वाली सीट पर बिठा लिया था। प्रधान आरक्षक गौरव प्रसाद का कहना है कि दुर्गा देवी ने दोपहर करीब 1 बजे अपने घर पर सूटकेस खोलकर देखा तो उसमें झुमके, मंगलसूत्र आदि करीब साढ़े 3 लाख रुपए का जेवर नहीं मिले। शुरुआती जांच में पता चला है कि ऑटो में इतनी कम जगह थी कि उसमें सूटकेस खोलकर जेवर चोरी नहीं किए जा सकते। फिर भी ऑटो चालक की तलाश की जा रही है।

आरोपियों ने कहा, उधारी का पैसा नहीं लौटा रहा था कर्मचारी

मेडिकल स्टोर के कर्मचारी से मोबाइल छीनने वाले नाबालिग समेत दो गिरफ्तार

भोपाल। शाहजहांनाबाद थाना क्षेत्र स्थित कमला देवी अस्पताल के पास शुक्रवार शाम मेडिकल स्टोर के कर्मचारी की जेब से दो युवकों ने मोबाइल निकाल लिया और फरार हो गए। फरियादी ने दोनों आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने देर रात दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। इनमें से एक नाबालिग है। आरोपियों का कहना है कि उन्हें फरियादी से उधारी का पैसा लेना था। वह पैसे देने में आनाकानी कर रहा था। पुलिस ने नोटिस देकर नाबालिग आरोपी को छोड़ दिया है।

पुलिस के अनुसार पुलिस चौकी के पीछे संजय नगर निवासी हेमंत विछेले (28) दवाई की दुकान पर साफ-सफाई का काम करता है। विगत 16 मई की शाम करीब छह बजे वह काम करने के बाद पैदल अपने घर लौट रहा था। जैसे ही वह कमला देवी अस्पताल के सामने वाली गली के ऊपर पहुंचा, तभी रास्ते में पवन सतनामी व नाबालिग समेत दो लडके मिले और लोगों ने डरा-धमकाकर उसकी जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। मोबाइल के कवर में ढाई सौ रुपए नगद भी रखे थे। फरियादी हेमंत ने शोर मचाकर लोगों से मदद की गुहार लगाई लेकिन तब तक आरोपी पैदल ही मोबाइल लेकर फरार हो चुके थे। हेमंत अपने घर पहुंचा और परिजनों को सारी बात बताई। उसके बाद वह रिपोर्ट दर्ज कराने शाहजहांनाबाद थाने पहुंचा। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लूटे गए मोबाइल की कीमत 25 हजार रुपए लिखी गई है। पुलिस ने देर रात घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था।

गिरफ्तारी के प्रयास हुए तेज

बुजुर्ग को कुचलने वाले बाइक चालक पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार इलाके में बुजुर्ग व्यक्ति को कुचलने वाले बाइक चालक के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार लालूसिंह बारिया (60) ग्राम कालापानी कजलीखेड़ा कोलार रोड पर रहते थे। बीती तीन मार्च की सुबह वह पैदल जा रहे थे, तभी एक प्लेटिना बाइक पर सवार चालक ने उन्हें टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल लालूसिंह को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई थी। मर्ग जांच और साक्षियों के कथन के बाद पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवक के टक्कर मारने के बाद भाग निकला स्कूटर चालक भोपाल। कोहेफिजा स्थित लालघाटी के पास एक युवक को टक्कर मारने के बाद स्कूटर सवार चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से स्कूटर चालक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार यूनुस खान (34) कोहेफिजा में रहते हैं और कुरावर बस स्टैंड पर दुकान चलाते हैं। वह अपनी स्कूटर से दुकान जाने के लिए घर से निकले थे। लालघाटी चौराहा स्थित चौपाटी के सामने बैरागढ़ की तरफ से आ रही तेज रफ्तार स्कूटर चालक ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी।

टक्कर से सड़क पर गिरे व्यक्ति को बाइकों ने कुचला

भोपाल। मिसरोद इलाके में बाइक का धक्का लगने से सड़क पर गिरे एक व्यक्ति के पैर को कुचलते हुए दो बाइकें निकल गई। घटना के करीब दो महीने बाद फरियादी ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। तीनों ही बाइकों का नंबर नहीं मिल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर जिला रायसेन निवासी संदेश कुमार वर्मा (48) प्रायवेट काम करते हैं। बीती 18 फरवरी को वह होशंगाबाद रोड स्थित वृंदावन गार्डन के पास सड़क क्रास कर रहे थे, तभी दूसरी तरफ से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें साईड से टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही संदेश कुमार सड़क पर गिर पड़े, तभी पीछे से आ रही दो बाइकें उनके पैर को कुचलते हुए निकल गई। आसपास के लोगों ने उन्हें इलाज के लिए पास के अस्पताल पहुंचाया। इलाज कराने के बाद संदेश कुमार अपने घर चले गए थे। करीब सवा दो महीने बाद वह थाने पहुंचे और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

राजधानी में हिट एंड रन का मामला

असल आरोपी फरार स्कार्पियो चालक को 24 घंटे से तलाश रही पुलिस?

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी में हिट एंड रन केस में बीते चौबीस घंटे से पुलिस अब तक फरार स्कार्पियो चालक को ही तलाश रही है। आशंका है कि जिसे पीछा करके पकड़ा गया वह कोई और भी हो सकता है जबकि इसकी चपेट में आई बैंक मैनेजर अमृता ओमकार की मौत हो गई। वह ऑफिस जाने के लिए निकली थीं। वे शक्ति नगर एचडीएफसी बैंक की मैनेजर थीं। घटना नरेला शंकरी जोड़ अयोध्या बाइपास पर हुई जब सफेद रंग की स्कॉर्पियो ने उन्हें सामने से जोरदार टक्कर मार दी। बताया जाता है कि अमृता की करीब 12 साल पहले शादी हुई थी। उनकी चार साल की एक बेटी है। अमृता पति अमित और बेटी के साथ अम्रत एनक्लेव में रहती थीं। उनके पति प्राइवेट जॉब करते थे। फिलहाल वह बेड रेस्ट पर हैं। क्योंकि चार महीने पहले वे सडक दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गये थे। इससे पहले अमित महिंद्रा कंपनी में वरिष्ठ पद पर जॉब करते थे। एक्सीडेंट के बाद डॉक्टरों ने उन्हें बेड रेस्ट की सलाह दी थी। परिवार की जिम्मेदारी फिलहाल अमृता के कंधों पर ही थी।

उधर अमृता को टक्कर मारने वाला आरोपी स्कॉर्पियो चालक एक बड़े प्रॉपर्टी डीलर का बेटा बताया जा रहा है। घटना स्थल पर पकड़े जाने के बाद वह लोगों को चकमा लेकर मौके से भाग निकला। हालांकि पीछा करने के बाद पुलिस ने स्कॉर्पियो को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा लिया है। एक गिरफ्तारी भी बताई गई है वहीं कहाज जाता है कि नाबालिग स्कॉर्पियो कार को अंधाधुंध रफ्तार में दौड़ा रहा था।

विकास नहीं होने दुर्दशा का शिकार सड़क, आम जन हो रहे परेशान

भोपाल के करोद हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में कॉलोनी में सड़कों की हालत बेहाल। यही नहीं लंबे से सड़कों का विकास कार्य नहीं होने से आमजन और रहवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रंजिश में पेट्रोल डालकर स्कूटी में लगाई आग

भोपाल। टीला जमालपुरा थाना क्षेत्र की सूबेदार कॉलोनी में तीन लडकों ने घर के बाहर खड़ी स्कूटी पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। आगजनी में स्कूटी का काफी हिस्सा जलकर खाक हो गया। घटना का कारण स्कूटी मालिक से रंजिश होना बताया जा रहा है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सूबेदार कॉलोनी निवासी रघुवीर आर्य (40) प्राइवेट काम करते हैं। करीब एक माह पहले उनके पुत्र अभिषेक का संदीप शर्मा, राहुल बसौड़ व अमन उर्फ सन्नाटा नाम के लडकों से विवाद हो गया था। तभी उनके बीच रंजिश चल रही थी। शुक्रवार 16 मई की सुबह चार बजे रघुवीर आर्य और परिजन घर पर सो रहे थे। तभी घर के बाहर लडकों की बात करने की आवाज आई। नींद खुलने पर रघुवीर ने अपने लडके अभिषेक को भी जगाया। खिडकी से झांककर बाहर देखा तो संदीप शर्मा अपने दोस्त राहुल बसौड़ व अमन सन्नाटा के साथ घर के बाहर खड़ी उनकी बर्गमेन स्कूटी के पास खड़े दिखे। देखते ही देखते तीनों लडकों ने स्कूटी पर पेट्रोल छिडककर आग लगा दी और फरार हो गए। रघुवीर आर्य और अभिषेक ने पानी डालकर आग बुझाई।

पत्नी को मनाने गए पति ने लगाई फांसी, थी अनबन

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित शिवानी होम्स में एक युवक ने पत्नी के घर फांसी लगा ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि पति पत्नी की अनबन चल रही थी और पत्नी शिवानी होम्स में अलग रह रही थी। वह पत्नी को मनाने उसके घर पहुंचा था। पत्नी ने साथ चलने से इंकार किया तो उसने पत्नी के घर कमरे में फांसी लगा ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जितेंद्र यादव पिता प्रकाश यादव (35) कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में रहता था और प्राइवेट ड्राइवरी करता था। उसका पत्नी से विवाद चल रहा था। विवाद के कारण पत्नी बच्चों के साथ शिवानी होम्स निशातपुरा में अलग रह रही थी। वह अपने साथ दोनों बच्चों को भी लेकर गई थी। जितेंद्र उसे बार बार मनाकर अपने घर लौटने की मिन्नत कर रहा था, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थी। शुक्रवार शाम भी वह पत्नी को मनाने के इरादे से शिवानी होम्स पहुंचा। वहां पत्नी से साथ चलने का कहा, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी पत्नी ने साथ चलने से मना कर दिया। इससे नाराज होकर उसने कमरे में फांसी लगा ली।

मेट्रो एंकर

फोटो और वीडियो वायरल करने की दे रहा है धमकी

युवती से दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

दोपहर मेट्रो, भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र में युवती से दुष्कर्म और दैहिक शोषण का मामला सामने आया है। आरोपी ने उसका पीछा कर उससे दोस्ती की थी। दोस्ती होने के बाद मां से मिलाने अपने घर ले गया और वहां जबरन शराब पिलाकर उससे दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने उसके कुछ फोटो और वीडियो बना लिए। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी उस पर शारीरिक संबंध बनाने और शादी करने सहित धर्म परिवर्तन के लिए बना रहा था। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 19 साल की युवती थाना क्षेत्र में रहती है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह कपड़ों की दुकान में काम करने जाती है। आठ महीने भानपुर ब्रिज के पास प्रधान मंत्री आवास में रहने वाला क्रिस सोनी उर्फ सागर सोनी ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। करीब पांच दिनों तक उसने पीछा किया। इसके बाद अपना मोबाइल नंबर देकर कहने लगा कि मुझसे बातचीत करों। पीड़िता ने उसे कॉल नहीं किया। लगातार पीछा करने के कारण पीड़िता और उसकी दोस्ती हो गई। दोनों में बातचीत होने लगी। आरोपी क्रिस सोनी उसे स्कूटी से यहां वहां घुमाने माने लगा। एक दिन वह उसे अपनी मां से मिलाने का कहकर घर ले गया था। वहां शराब जबरन पिलाई और उससे शारीरिक संबंध बनाते हुए मोबाइल पर वीडियो बनाकर कुछ फोटो ले लिए। उक्त फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसने कई बार शारीरिक संबंध बनाए। उसका विरोध करने पर उसने पिता और भाई को भी खत्म करने की धमकी दी। आरोपी लगातार प्रताड़ित कर रहा था। इससे वह परिवार के साथ ईंटखेड़ी इलाके में रहने लगी। वहां भी आरोपी ने उसका पीछा नहीं छोड़ा वह शादी कर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने लगा।

पुराने विवाद को लेकर युवक पर छुरी से हमला

भोपाल। गौतम नगर इलाके में पुराने विवाद को लेकर एक युवक ने दूसरे युवक पर छुरी से हमला कर दिया। जानकारी के अनुसार नवाब कालोनी में रहने वाला जावेद (24) करोंद मंडी में हम्माली का काम करता है। पिछले दिनों राजा नामक युवक से उसका विवाद हो गया था, जिस पर स्थानीय लोगों की मदद से राजीनामा हो गया। बीती 29 अप्रैल की रात करीब साढ़े दस बजे जावेद अपने साले के साथ बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए काजीकैंप गया था। वापस लौटते समय ग्रीनपार्क कालोनी के पास पहुंचा, तभी उसे राजा मिल गया और पुरानी बात को लेकर गाली-गलौज करने लगा। जावेद ने इसका विरोध किया तो उसने छुरी निकालकर हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव कर रहे साले पर भी उसने छुरी से हमला किया। पुलिस ने आरोपी राजा के खिलाफ चाकूबाजी का मामला दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
कार्यकारी संपादक आशीष दुबे* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022